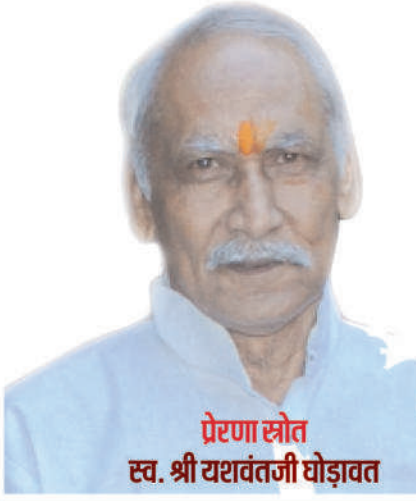

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

मुंह से निकले हुए अपशब्द आकाश की तरफ फेंके गए पत्थर के समान है जो लौटकर फेंकने वाले पर ही गिरता है।

बीके शिवानी

वर्ष-05, अंक - 25 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 23 मार्च 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

चंद्रयान 3 और आदित्य एल 1 जल्द किए जाएंगे लॉन्च- इसरो प्रमुख

अहमदाबाद, एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि, चंद्रयान-3, भारत का तीसरा चंद्र मिशन और पहला सौर मिशन आदित्य एल1 का प्रक्षेपण संभवतः 2023 के मध्य तक होगा। वह भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में आयोजित चौथे भारतीय ग्रह विज्ञान सम्मेलन में ÷अंतरिक्ष और ग्रहों की खोज के लिए भारतीय क्षमता÷ पर उद्घाटन भाषण दे रहे थे।

सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 क्राफ्ट पूरी तरह तैयार है। यह पूरी तरह से एकीकृत है। बेशक, कुछ सुधार कार्य किए जा रहे हैं और हम बहुत सारे सिमुलेशन और परीक्षणों आदि के माध्यम से मिशन में बहुत अधिक विश्वास पैदा कर रहे हैं और संभवतः इसका लॉन्च इस वर्ष के मध्य तक हो सकता है। उन्होंने कहा कि आदित्य-एल1, भारत का पहला सौर मिशन एक बहुत ही अनूठी सौर अवलोकन क्षमता होने जा रहा है, जिसके लिए उपकरण पहले ही वितरित किए जा चुके हैं और इसरो उन्हें उपग्रह में एकीकृत करने की प्रक्रिया में है।

सोमनाथ ने कहा कि, मैं भी इसके (आदित्य-एल1) लॉन्च होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, संभवतः इस साल के मध्य तक, और मुझे यकीन है कि हम इस मिशन को बड़ी सफलता दिलाएंगे।

चंद्रयान -3 मिशन पर बोलते हुए, सोमनाथ ने कहा कि इसकी संरचना चंद्रयान -2 के समान होगी, जिसमें ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। बेशक, ऑर्बिटर में वे सभी पेलोड नहीं हैं जो चंद्रयान-2 में हैं। इसमें थोड़ा सा ही पेलोड होगा। लेकिन प्राथमिक उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा की कक्षा में ले जाकर लैंड कराना है।

उन्होंने कहा कि, चंद्रयान-3 का प्राथमिक उद्देश्य सटीक लैंडिंग होना है। उसके लिए आज बहुत सारे काम किए जा रहे हैं, जिसमें नए उपकरणों का निर्माण, बेहतर एल्गोरिदम का निर्माण, विफलता के तरीकों का ध्यान रखना आदि शामिल हैं।

सोमनाथ ने कहा कि, मिशन के इन पहलुओं को वर्तमान में मजबूत किया जा रहा है, वैज्ञानिक उद्देश्य कमोबेश पिछले चंद्र मिशनों के समान ही हैं। उम्मीद करते हैं कि, इस बार चंद्रयान-3 लैंडिंग का सही काम करेगा और निश्चित रूप से रोवर बाहर निकलेगा और चंद्रमा की सतह पर कम से कम चंद्र दिवस पर अन्वेषण करेगा, जो वास्तव में बहुत दिलचस्प होने वाला है। आदित्य एल1 के बारे में उन्होंने कहा कि, यह लैग्रैन्जियन प्वाइंट एल1 तक जाएगा, जो एक सुविधाजनक बिंदु है जहां लंबे समय तक बिना किसी गड़बड़ी के लगातार सूर्य का निरीक्षण किया जा सकता है।

इसरो प्रमुख ने कहा कि, यह एक बहुत ही अनोखी सौर अवलोकन क्षमता होने जा रही है जिसका हम निर्माण कर रहे हैं। इसके लिए उपकरण पहले ही वितरित किए जा चुके हैं और हम इन उपकरणों को उपग्रह में एकीकृत करने की प्रक्रिया में हैं। इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों का वर्तमान में उपग्रह के साथ एकीकरण के लिए परीक्षण किया जा रहा है। अन्य पेलोड में न केवल सूर्य का अवलोकन करने, बल्कि कण उत्सर्जन और सूर्य से पृथ्वी की यात्रा के दौरान उन्हें मापने और सूर्य हमारे अंतरिक्ष मौसम को कैसे प्रभावित कर रहा है, के मामले में उनकी अद्वितीय क्षमता है।

कोरोना अपडेटः पीएम मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। शाम साढ़े चार बजे उच्च स्तरीय बैठक हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण के एक हजार 134 नए मामले दर्ज किए गए हैं, सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7 हजार 26 हो गई है।

पांच और मौतों के साथ कोविड से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5 लाख 30 हजार 813 हो गई। छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र से एक-एक मौत की खबर है, जबकि केरल में भी एक मौत को जोड़ा गया है। पॉजिटिविटी रेट 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि वीकली पॉजिटिविटी दर 0.98 प्रतिशत आंकी गई।

इससे पहले केंद्र सरकार ने हाल ही में छह राज्यों- महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक को कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ने को लेकर पत्र लिखा था। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया था कि, देश के कुछ राज्यों में कोरोना के बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। इससे पता चलता है कि वहां पर कोरोना वायरस का स्थानीय प्रसार हो रहा है।

रासुका हटाने के लिए हाई कोर्ट पहुंची अमृतपाल के साथी की पत्नी

चंडीगढ़।

अलगाववादी अमृतपाल सिंह व उसके साथियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) हटाने को लेकर हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट ने शनिवार को कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह को सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लेने का आदेश जारी किया था।

अब इस आदेश को चुनौती देते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में अर्जी दायर की गई है। अमृतपाल के साथी दलजीत कलसी की पत्नी ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर अपने पति के खिलाफ एनएसए हटाने की मांग की है। सरबजीत कलसी फिलहाल असम में हिरासत में है। कलसी की पत्नी ने याचिका में कहा है कि उसके पति के खिलाफ एनएसए लगाने को लेकर सही कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था।

इससे पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता इमान सिंह खारा ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचिका में पुलिस की कथित हिरासत से अमृतपाल की ''रिहाई'' की मांग की गई थी। मंगलवार को याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कहा कि अमृतपाल को न तो हिरासत में लिया गया और न ही पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पंजाब पुलिस ने शनिवार को अमृतपाल और उसके संगठन 'वारिस पंजाब दे' के सदस्यों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई शुरू की थी। हलफनामे में कहा गया कि, अमृतपाल को हिरासत में लेने का एक प्रस्ताव तैयार किया गया और 17 मार्च को अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट को भेजा गया, जिन्होंने इस पर विचार किया और 18 मार्च को कट्टरपंथी उपदेशक को हिरासत में लेने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून 1980 की धारा 3 (2) के तहत हिरासत आदेश जारी किया।

एनसीपी की अगुवाई में विपक्षी नेताओं की होगी बैठक, ईवीएम के मुद्दे पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने आज गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई। शरद पवार ने राज्यसभा में विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स को बैठक में आमंत्रित किया है।

शरद पवार के आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के मुद्दे पर चर्चा होगी। बकौल एजेंसी शरद पवार के आवास पर होने वाली बैठक में वे सभी राजनीतिक दल शामिल होंगे जिन्हें ईवीएम की क्षमता पर संदेह है। एनसीपी प्रमुख के पत्र के मुताबिक, चुनाव आयोग द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कुछ राजनीतिक दलों में ईवीएम का मुद्दा उठाया।

कितने बजे होगी बैठक

शरद पवार के नई दिल्ली स्थित आवास पर गुरुवार को शाम छह बजे बैठक होगी, जहां पर विपक्षी दलों के नेता अपनी बात रखेंगे। शरद पवार ने कहा कि, बैठक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के हित में और प्रतिष्ठित आईटी पेशेवरों और क्रिप्टोग्राफरों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को सुनने के लिए बुलाई गई है।

सिविल सोसाइटी ने मई 2022 में निर्वाचन आयोग को एक पत्र लिखा था और इसके दो हफ्तों के बाद रिमाइंडर भेजा। ईसीआई ने उनके पत्र को स्वीकार भी नहीं किया। ईवीएम में गड़बड़ी की आशंका को लेकर अब आम आदमी भी अपना संदेह व्यक्त कर रहे हैं।

फांसी तभी, जब सारी उम्मीदें हो खत्म- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि, किसी भी दोषी को फांसी या मृत्युदंड तभी दी जानी चाहिए, जब उसके सुधार की सारी उम्मीदें और गुंजाइश खत्म हो जाए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हेमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मंगलवार को इस बात की महत्ता पर जोर दिया कि, एक दोषी के सुधार की गुंजाइश है या नहीं, यह निर्धारित करने वाली स्थितियां और परिस्थितियां क्या होनी चाहिए।

21 मार्च के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की खंडपीठ ने सुंदरराजन नाम के शख्स की मौत की सजा घटाकर 20 वर्ष कैद में तब्दील कर दी। सुंदरराजन को वर्ष 2009 में 7 वर्ष के एक बच्चे का अपहरण और उसकी हत्या करने का दोषी पाया गया था और उसे सजा-ए-मौत दी गई थी।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए सुंदरराजन की सजा को तो बरकरार रखा, लेकिन मौत की सजा 20 वर्ष की कैद में तब्दील कर दिया। इस दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की कि किसी भी आपराधिक कृत्य के दोषी की सजा को कम करने वाले कारकों में आरोपी की पृष्ठभूमि, हिरासत या कैद की अवधि में जेल में उसका आचरण या उसका आपराधिक इतिहास शामिल होता है।

इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, जब दोषी में सुधार की सारी संभावनाएं खत्म हो जाए, तभी उसके मृत्युदंड पर विचार किया जाना चाहिए। खंडपीठ ने शीर्ष अदालत के 2013 के एक फैसले के खिलाफ सुंदरराजन द्वारा दायर समीक्षा याचिका की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। 2013 में शीर्ष अदालत ने सुंदरराजन की मौत की सजा के निचली अदलात के फैसले को बरकरार रखा था।

भारतीय सैनिकों को मिलेंगे मोटे अनाज से बने स्नैक्स, सेना पांच दशक बाद अपने राशन में करेगी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय सेना करीब 50 वर्ष बाद अपने राशन में मोटे अनाज को शामिल करेगी। सेना ने देसी अनाज को अपने खान-पान में शामिल करने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय सेना ने अपने राशन में बदलाव करते हुए, करीब पांच दशक बाद फिर से मोटे अनाज को शामिल किया है।

सेना ने फिर किया शामिल

सैनिकों को मिलने वाले खाने में अब बाजरे के आटे से बने खाद्य पदार्थ मिलेंगे। जानकारी के मुताबिक, 50 वर्ष पहले इसे बंद कर दिया गया था और इसके जगह पर गेहूं के आटे का उपयोग किया जा रहा था। सेना ने बुधवार को कहा कि सैनिकों को देशी और पारंपरिक अनाज की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

भारतीय सेना ने कहा, संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है, जिसे देखते हुए मोटे अनाज की

खपत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेना ने सैनिकों के राशन में बाजरा के आटे की शुरुआत की है। यह ऐतिहासिक निर्णय सैनिकों को देशी और पारंपरिक अनाज आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। पांच दशक से भी अधिक समय पहले मोटे अनाज को गेहूं के आटे से बदल दिया गया था।

मोटे अनाज के कई फायदे

भारतीय सेना ने कहा, स्वास्थ्य लाभों के साथ पारंपरिक मोटे खाद्य पदार्थ और हमारी भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल बीमारियों को कम करने में सहायक होगा। साथ ही सैनिकों की संतुष्टि और मनोबल बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मोटे अनाज अब दैनिक भोजन का एक अभिन्न अंग बन जाएगा।

मिलेंगे स्नेक्स

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023-24 से शुरू होने वाले सैनिकों के राशन में कुल अनाज का 25 प्रतिशत मोटे अनाज की खरीद होगी। मोटे अनाज की खरीद के तहत बाजरा, ज्वार और रागी को प्राथमिकता दी जाएगी। बता दें कि मोटे अनाज में प्रोटीन, सूक्ष्म पोषक तत्वों और फाइटो-रसायनों का अच्छा स्रोत पाया जाता है, जिससे सैनिकों के जीवन पर साकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, स्वादिष्ट और पौष्टिक मोटे अनाज के व्यंजन तैयार करने के लिए रसोइयों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही उत्तरी सीमाओं पर तैनात सैनिकों के लिए मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों और स्नैक्स को पेश करने पर विशेष जोर दिया गया है।

सेना ने कहा, सीएसडी कैंटीन के माध्यम से मोटे अनाज के खाद्य पदार्थ पेश किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, अपने मोटे अनाज को जानो जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

सभी ग्राम पंचायत को बनाएंगे टीबी मुक्त, पीएम मोदी करेंगे अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली।

दुनिया को 2030 तक टीबी से मुक्त करने के वैश्विक लक्ष्य को लेकर भारत ने भी प्रतिबद्धता के साथ कदम बढ़ाया है। केंद्र सरकार देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को 2025 तक इस बीमारी से पूरी तरह छुटकारा दिलाने के लिए 'टीबी मुक्त पंचायत' अभियान चलाने जा रही है।

इसका शुभारंभ विश्व टीबी दिवस पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से करेंगे। स्वस्थ ग्राम पंचायतों के लक्ष्य को धरातल पर उतारने के लिए पंचायतीराज मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने साझेदारी के साथ अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

रूपरेखा की गई तय

सेंट्रल टीबी डिवीजन के साथ मिलकर इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली गई है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर से इस अभियान के शुभारंभ के साथ ही वन व?र्ल्ड टीबी समिट को भी संबोधित करेंगे। अभियान के संबंध में पंचायतीराज मंत्रालय के सचिव सुनील कुमार की ओर से सभी राज्यों को दिशा-निर्देश संबंधी पत्र जारी किया जा चुका है।

इसमें स्पष्ट किया गया है कि, किस तरह से प्रत्येक ग्राम पंचायत में टीबी से मुक्ति के लिए जनभागीदारी बढ़ाते हुए जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाने हैं। वैसे जनभागीदारी के जरिए पहले ही एक निक्षय कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कोई भी व्यक्ति या संस्थान टीबी रोगियों के इलाज और खानपान की जिम्मेदारी ले सकता है। देश में फिलहाल लगभग 22 लाख टीबी रोगी हैं और लगभग आधे की देखभाल निक्षय के जरिए हो रहा है।

कन्या विवाह का आयोजन हुआ स्थगित, मुख्यमंत्री ने बदली योजना, सामग्री की जगह नगद राशि देने का प्रावधान

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड में 21 मार्च को आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह आयोजन निरस्त कर दिया गया। जनपद पंचायत में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयेजन को स्थगित किया गया। बैठक के बाद सीईओ राजेश दीक्षित ने बताया कि, विवाह की आगमी तिथि प्रथक से सूचित की जाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्णय के बाद आयोजन हुआ निरस्त

मिली जानकारी के अनुसार धार जिले में मुख्यमंत्री कन्या दान योजना में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का सप्लाई किया गया। जिसके बाद ठेकेदार के विरुद्ध मामला दर्ज हुआ। इसी साल चुनाव होने हैं ओर भ्रष्टाचार पहले से बड़ा मुद्दा बनकर भाजपा की मुसीबत बना हुआ है, ऐसे में आने वाले दिनों में आयोजित इस आयोजन में अगर भ्रष्टाचार के मामले आते हैं तो सरकार घिर सकती थी। जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सामग्री के स्थान पर 50 हजार रुपये देने की घोषणा करी है जिसके बाद आयोजन निरस्त किया गया।

अब खर्च हुई राशि का भुगतान कौंन करेगा, दूसरी बार आयोजन हुआ निरस्त

मुख्यमंत्री कन्या दान योजना का लाभ लेने के लिए विकास खण्ड के लगभग 250 आवेंदन आये थे। हालांकि एसडीएम अनिल राठौर के कड़े निर्देशो के बाद आवेदनों की बारीकी से जांच की गई, जिंसमे मात्र 50 जोड़े ही इस योजना के लाभ के लिए स्वीकृत हुए थे। आयोजन की तैयारी लगभग प्रशासनिक स्तर पर शुरू हो चुकी थी, लेकिन ठीक पहले आयोजन निरस्त कर दिया गया। जिन जोड़ो का विवाह होना था उनके घर परिवार में शादी की तैयारी ओर सामग्री जो बाजार से खरीदना थी वो खरीद ली गई और सामाजिक स्तर पर विवाह के बाद ओर पहले होने वाले आयोजन भी शुरू हो गए अंतिम समय मे आयोजन निरस्त होने से उन परिवारों की फजीयत हो गई कि, वो विवाह करे की नही करे। वही आवेंदन तैयार करने को लेकर भी हजारो रुपये खर्च किये गए ये नुकसान अलग से उठाना पड़ा। इससे पहले भी कन्या विवाह योजना के लिए बड़ी मात्रा में आवेंदन जमा करवाये गए थे, लेकिन पंचायत चुनावों के चलते आयोजन को आगे बढ़ा दिया गया था। शासन की योजनाएं भले हितग्राहियों तक पहुचे की नही पहुचे, लेकिन योजना के हितग्राही बनने के चक्कर मे हितग्राही ओर उनका परिवार पैसा और समय दो बार बर्बाद कर चुका है। आगे भविष्य में आयोजन होगा की नही इसको लेकर असमंजस की स्थिति बन गई।

गिट्टी क्रेशर पर हो रहे विस्फोट से ग्रामीण दहशत में जीने पर मजबूर, कलेक्टर से लगाई गुहार

माही की गूंज , पेटलावद।

ग्राम पंचायत रामपुरिया के ग्रामीण जनसुनवाई में कलेक्टर(झाबुआ) व एसडीएम (पेटलावद) के पास गिट्टी क्रेशर मशीन को बंद करवाने को लेकर ग्रामीण आवेदन लेकर पहुंचे। ग्राम रामपुरिया में सैयद अख्तर अली द्वारा आबादी क्षेत्र में गिट्टी क्रेशर मशीन संचालित की जा रही है। क्रेशर मशीन पर 20 फीट की राड डालकर ब्लासिंटग की जा रही है, जिससे वहां आसपास के मकानों में दरारे आ गई है एवं ब्लासिंटग करने नुकीले पत्थर उड़ते हैं। जिससे आसपास के रहवासियों एवं पशुओं को जान माल का खतरा बना रहता है तथा कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। गांव कें हनुमान मंदिर से चोर नाले वाले कच्चे मार्ग पर ओवरलोड गिट्टी के डंपर निकलने से धूल का गुबार उड़ता है जिससे आसपास के खेतों की फसलो को भी नुकसान होता है। ब्लासिंटग के कारण गांव का जलस्तर भी गिर रहा है कई कुएं एवं हैंड पंप बंद हो चुके हैं। ऐसी कई समस्याओं को लेकर आज ग्राम रामपुरिया के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर मैडम एवं एसडीएम पेटलावद को आवेदन दिया। कलेक्टर मैडम एवं एसडीएम पेटलावद द्वारा जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

सूरज जाट और अन्य के खिलाफ दर्ज प्रकरण वापस लेने की मांग

अखण्ड ज्ञान आश्रम भक्त मण्डल ने दिया एसपी को ज्ञापन

माही को गूंज, रतलाम।

सैलाना बस स्टैंड स्थित अखण्ड ज्ञान आश्रम में घटित घटना के मामले में सूरज जाट ओर अन्य के खिलाफ दर्ज प्रकरण की वापसी की मांग को लेकर अखण्ड ज्ञान आश्रम भक्त मण्डल सड़क पर उतर आया। भक्त मण्डल के सेकड़ो अनुयायियों ने रैली निकालकर एसपी को ज्ञापन दिया। अखण्ड ज्ञान आश्रम के सेकड़ो अनुयायी शहीद चौक पर एकत्रित हुए। यहां से मौन जुलूस के रूप में एसपी आफिस पहुचे। यहां भक्त मण्डल की ओर से एक ज्ञापन एसपी अभिषेक तिवारी को दिया गया। ज्ञापन में बताया कि, 18 मार्च को सुबह साढ़े दस बजे की घटना के बाद 21 मार्च की शाम को एक झूठा प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण दर्ज करने पर पुलिस की कार्यवाही पर ही गंभीर सवाल पैदा करता है। ज्ञापन में भक्त मण्डल ने बताया कि, शिकायतकर्ता स्वामी देवस्वरूपनान्द द्वारा संतो ओर भक्तों को काफी परेशान किया जाता है। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करता है। उक्त मामले में ज्ञापन भी दिया गया जिसकी जांच अभी लंबित है। भक्त मण्डल के सदस्यों ने बताया कि, देवस्वरूप आश्रम की गुरु परम्परा के विपरीत आचरण करता है। जिससे उनकी धर्मिक भावना आहत होती है। उसके द्वारा इस घटना पर 4 दिन बाद प्रकरण दर्ज करवाया गया है। जबकी जिन 5 अनुयायियों पर प्रकरण दर्ज किया गया उनमे से 3 अनुयायी उतर प्रदेश से दर्शनार्थ पधारे थे। भक्त मण्डल ने एसपी से मांग की कि, सूरज जाट तथा अन्य पर दर्ज प्रकरण का खारिज किया जाए तथा देवस्वरूपनान्द पर महिलाओं से दुर्व्यवहार करने तथा आश्रम की मान्यता के विपरीत कार्य करने पर पुलिस प्रकरण दर्ज किया जाए। ज्ञापन का वाचन कु आयुषी सोनी ने किया।

कलश एवं ध्वज लेकर निकाला जुलूस

माही की गूंज ,करवड़।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी नवरात्रि का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। बुधवार शाम को जय मां अंबे मंदिर पर कलश यात्रा नन्हीं-नन्हीं बालिकाओं के द्वारा निकाली गई, जिसमें मंदिर के पुजारी द्वारा बालिकाओं को तिलक लगाकर यात्रा को शुरू करवाया। कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गो से होकर मंदिर पर पहुंची, जिसके पश्चात जय मां अंबे मंदिर पर पंडित के द्वारा मंत्रोचार कर विधि-विधान से पूजा-पाठ कर घट स्थापना की गई वं मां अंबे की आरती उतारी गई।

पिता की हत्या करने वाला बेटा आजीवन कारावास व १२ हजार रुपये के दंड से दंडित

माही की गूंज, मंदसौर।

अपर सत्र न्यायाधीश उत्सव चतुर्वेदी की कोर्ट ने पिता की हत्या करने वाले बेटे धीरज सिंह पिता सुजानसिंह सौधिंया राजपूत (35) निवासी फरन्या खेडी थाना गरोठ जिला मंदसौर को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 12 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

विशेष लोक अभियोजक रमेश गामड ने बताया कि, आरोपी धीरपसिंह पारिवारिक विवाद के कारण अपने परिवार से अलग रहता था। दिनांक 17 जनवरी 2021 की रात को आरोपी धीरपसिंह अपने पिता के घर गॉव फरन्या खेडी आया था। इस पिता पुत्र के बीच विवाद हुआ और क्रोधित होकर बेटे ने पिता के सिर पर लकडी से जोर से वार किया। जिससे उसके पिता वही जमीन पर गिर गए। छोटा भाई बीच बचाव करने आया तो उसके साथ भी मारपीट कर उसका हाथ तोड दिया। चिह्ला चोट होने से आरोपी मौके से भाग गया। घायल पिता को छोटा बेटा अस्पताल लेकर पहुचा जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया था। मृतक के छोटे पुत्र दाणीसिंह की रिपोर्ट पर थाना गरोठ पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस दरमियान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में जांच पूरी होने के बाद एसआइ शिवांशु मालवीय कोर्ट में चालान शीट पेश की। प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक रमेश गामड द्वारा रखे गये तथ्यो व 16 साक्षियों के कथन करवाए गए। जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी बेटे धीरपसिंह द्वारा अपने पिता की हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास एवं 12 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा कॉलेज चलो अभियान की शुरुआत

माही की गूंज, झाबुआ।

उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार झाबुआ के अग्रणी महाविद्यालय, शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2023-24 के अंतर्गत कॉलेज चलो अभियान 1 मार्च से 31 मार्च तक चलाया जा रहा है। कॉलेज चलो अभियान के तहत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे सी सिन्हा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह के मार्गदर्शन में पाँच सहायक प्राध्यापकों की समिति का गठन कर, जिले के विद्यालयों में जाकर सत्र 2023-24 के लिए महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया एवं हितग्राही योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। इस अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में जाकर जानकारियां प्रदान की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जे सी सिन्हा द्वारा उद्बोधन में छात्राओं को महाविद्यालय में ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ रविंद्र सिंह द्वारा द्वारा शासन की हितग्राही योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को गांव की बेटी, प्रतिभा किरण योजना, विज्ञान प्रोत्साहन आदि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रवेश प्रभारी डॉ राजू बघेल ने बताया कि छात्राओं के लिए पहले राउंड में प्रवेश प्रक्रिया की पंजीयन शुल्क शासन की ओर से छूट का प्रावधान है एवं प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित समस्त शंकाओं का समाधान किया। कॉलेज चलो अभियान के नोडल प्रो जैमाल डामोर एवं सदस्यों ने प्रवेश प्रक्रिया के पर्चे विद्यार्थियों को वितरित किए। इस अवसर पर डॉ. लोहारसिंह ब्राह्मणे, प्रो. मुकामसिंह चौहान एवं तृतीय श्रेणी कर्मचारी विजय परमार, रवि वसुनिया आदि उपस्थित रहे।

वन वीक फ़ॉर नेशन कार्यक्रम में शामिल होंगे 350 एमबीबीएस छात्र

शिवगंगा झाबुआ के सहयोग से झाबुआ में करेंगे 7 दिवसीय शिविर

माही की गूंज, झाबुआ।

सेवांकुर भारत संस्था द्वारा आयोजित यह वार्षिक शिविर देश भर के एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एक एक सुअवसर होता है। सेवांकुर भारत, महाराष्ट्र के सेवाभावी चिकित्सकों द्वारा संचालित एक प्रकल्प है जिसके तहत वे प्रतिवर्ष देशभर के मेडिकल छात्रों को 7 दिन के लिए किसी ग्रामीण अथवा जनजाति क्षेत्र में शिविर के लिए ले जाते हैं। सेवांकुर भारत के संयोजक डॉ नितिन गादेवाड़ बताते हैं कि इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थी जीवन में ही छात्रों के मन में सेवाभावना के प्रस्फुटन का वातावरण देना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वे अपने देश के गाओं की वास्तविक परिस्थिति की अनुभूति विद्यार्थी जीवन में ही ले सकेंगे और अपने चिकित्सक एवं सामाजिक जीवन में संकल्पित हो सकेंगे। इसी उद्देश्य से इस वर्ष का यह शिविर झाबुआ में शिवगंगा संस्था के सहयोग से आयोजित होने जा रहा है।

शिवगंगा के स्वास्थ्य जाँच शिविरों के प्रभारी हरीसिंग सिंगाड़ ने बताया कि कार्यक्रम में 300 एमबीबीएस छात्र-छात्राएँ एवं 50 चिकित्सक शामिल रहेंगे। कुल 18 टोलियों में यह समूह, 34 गाँव में रहेंगे और 17 पंचायतों में 26 मार्च को स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाएंगे। 34 गाँव में शिवगंगा कार्यकर्ताओं द्वारा सभी विद्यार्थियों के रुकने, ग्राम भ्रमण एवं मेडिकल कैम्प की व्यवस्थाएँ की जा रही है।

कार्यक्रम

23 मार्च - आगमन

24-25 मार्च - शिवगंगा गुरुकल धरमपुरी

26 मार्च - 17 पंचायतों पर स्वास्थ्य जाँच शिविर

27 मार्च - हाथीपावा पर सामूहिक हलमा

28 मार्च - शिवगंगा गुरुकुल धरमपुरी में अनुभूति कथन 29 मार्च ~ इंदौर में माननीय राज्यपाल महोदय और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान की उपस्थिति में समारोप

प्रशासन का भी सहयोग

जिला कलेक्टर ने जिला पंचायत एवं चिकित्सा विभाग को स्वास्थ्य जाँच शिविर में सहयोग के लिए निर्देश जारी किये हैं। 27 मार्च, को हाथीपावा पर होने वाले सामूहिक हलमा में जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक शामिल रहेंगे।

राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में समापन

29 मार्च को प्रातः सभी विद्यार्थी शिवगंगा गुरूकुल धरमपुरी से इंदौर में प्रस्थान करेंगे। समापन राज्यपाल महोदय व अनुसूचित जनजाति अध्यक्ष के समक्ष अपनी अनुभूतियां साझा करेंगे।

गत 5 वर्षों से स्वास्थ्य विषय को लेकर शिवगंगा सतत कार्य कर रही हैं। स्वच्छ गाँव-स्वस्थ परिवार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष परिवार फलदार वृक्ष लगा रहे हैं व स्वच्छता व स्वास्थ्य विषय को लेकर जागरूकता कर रहे हैं।

कोरोना के दूसरी लहर के समय शिवगंगा के 3000 कार्यकर्ताओं ने 920 गाओं में 40 हज़ार मेडिकल किट वितरित किये। इस अभियान के बाद शिवगंगा के प्रकल्प स्वच्छ गाँव-स्वस्थ परिवार द्वारा स्वस्थ झाबुआ रोगी सहायता केंद्र द्वारा झाबुआ, दाहोद व इंदौर एम वाई में परिजनों को उचित उपचार लेने हेतु सहयोग करते हैं।

हिंदू नव वर्ष पर निकाली प्रभात फेरी

माही की गूंज, पारा।

कोशल्या के राम दशरथ राज दुलारे राम के भजन-किंतन के साथ राम मंदिर प्रांगण से गांव में प्रभातफेरी निकाल जय श्री राम के नारों के साथ पुनः प्रभात फेरी राम मंदिर पहुंची। प्रभात फेरी में सकल व्यापारी संघ सदस्य व भाजपा नेता अमृत लाल राठौड़ ने सभी सनातनी को हिंदू नव वर्ष की शुभकामना देते हुए आप में राम, हम में राम, सब में राम कहते हुए 5-11 दीपक अपने आंगन में प्रचलित करने की अपील की एवं अपने-अपने घरों पर भगवा झंडा लहराए उसके पश्चात रामजी मंदिर पुजारी द्वारा आरती उतारी गई।

गायत्री शक्तिपीठ बसंत कॉलोनी पर यज्ञ व संस्कार संपन्न हुए

चैत्र नवरात्रि पर्व पर नौ दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ

माही की गूंज, झाबुआ।

गायत्री शक्तिपीठ (बसंत कॉलोनी) पर चैत्र नवरात्रि पर्व के उपलक्ष में नौ दिवसीय सामूहिक साधना व अनुष्ठान के साथ यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जन्मदिवस संस्कार मनाया गया। गुडी पडवा व हिन्दु नववर्ष पर सामूहिक रूप से सूर्य को अर्द्धदान दिया गया।

शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी एसएस पुरोहित ने बताया कि बुधवार को प्रातः 6 बजे शक्तिपीठ से मंगल प्रभात फेरी निकाली गई। साढे 6 बजे सामूहिक जप व ध्यान किया गया। साढे 7 बजे आरती व गायत्री स्तवन का पाठ हुआ। इसके बाद 9 बजे दो कुण्डिय गायत्री यज्ञ प्रारंभ हुआ। जिसमें बडी संख्या में गायत्री परिवार के कार्यकर्ता व परिजन शामिल हुए।

शक्तिपीठ के वरिष्ठ कार्यकर्ता दीपक त्रिवेदी का जन्मदिवस संस्कार मनाया गया। श्रीमती सुनिता त्रिवेदी ने दीपक त्रिवेदी को पुष्पमाला पहनाकर एवं मंगल तिलक लगाकर स्वागत किया। सुश्री देवल मेडम ने जन्मदिवस पर एक गीत प्रस्तुत किया।

श्री पुरोहित ने बताया कि 30 मार्च तक प्रतिदिन प्रभात फैरी, ध्यान, जप, आरती , गायत्री स्तवन, गायत्री यज्ञ एवं संस्कार संपन्न किए जाएंगे। शाम साढे 8 से 9 बजे तक सामुहित जप भी होंगे।

नवरात्रि के प्रथम दिन यज्ञ में विनोद गुप्ता, अरूण अरोडा, प्रदीप पंडया, निलेश पुरोहित, राजेन्द्र वाणी, विनोद चैहान, श्रीमती चंदा सोनी, गुणमाला डांगी, सरोज गुप्ता, सुजाता जायसवाल, वंदना सावल, सीमा चैरसीया सहित बडी संख्या मे परिजनो ने यज्ञ में आहुतिया समर्पित की। यज्ञ का संचालन श्री विनोद जायसवाल एवं श्री पुरोहित द्वारा किया गया।

मेडम कौशल्या का कमाल, अपराधी के इशारे पर पत्रकार के विरूद्ध किया झूठा मामला दर्ज

घटना के समय पत्रकार था गांव में, सीसीटीवी से हुई पुष्टि

एसपी से मामले की जांच की मांग, पत्रकारों ने थाना प्रभारी के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

अपने कारनामो से कई बार झाबुआ पुलिस को शर्मसार कर नीचा दिखा चुकी थाना प्रभारी कौशल्या चौहान वर्तमान में कल्याणपूरा थाने पर पदस्थ है, जहां अपनी कार्यशैली में कोई परिवर्तन नही करते हुए एक बार फिर वर्दी को दागदार कर दिया।

मामला एक झूठे प्रकरण का है जहा गुंडा लिस्ट में शामिल अपराधी के इशारे पर चार लोगों के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर लिया। जिंसमे रायपुरिया के एक पत्रकार का भी नाम बिना मामले की जांच पड़ताल किये दर्ज कर लिया। मामला 15 मार्च का है, जब रायपुरिया निवासी महेश भटेवरा द्वारा खुद के साथ खेड़ा फंटे पर दोपहर लगभग ढाई बजे चार लोगों द्वारा रोककर मारपीट करने का आरोप लगाया। महेश भटेवरा की रिपोर्ट पर कल्याणपुरा थाने पर राहुल गोस्वामी, नमन पिता महेंद्र राठौर, धर्मेंद्र पिता भेरूलाल लौहार और भूरिया पिता भेरूलाल लौहार के विरुद्ध धारा 504 और 323 में मामला दर्ज कर लिया। सामान्य से दिखने वाले मामले में तूल पकड़ लिया, जब पत्रकार राहुल गोस्वामी को इसकी जानकारी मिली और 15 मार्च को रायपुरिया में ही होने की पुष्टि नगर में कई जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे से की। इस संबंध में 26 मार्च को एसपी को आवेंदन देकर गुंडा लिस्टेट अपराधी के इशारे और मिलीभगत कर झूठा मामला दर्ज करने वाली कल्याणपुरा थाना प्रभारी कौशल्या चौहान के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई। मिली जानकारी के अनुसार एसपी ने मामले की जांच पेटलावद एसडीओपी सोनु डावर को दी है।

थाने पर लगी गुंडों की सूची में शिकायतकर्ता का नाम दर्ज

महेश भटेवरा निवासी रायपुरिया जो कि, रायपुरिया के थाने पर लगी गुंडा लिस्ट में चौथे नम्बर पर नाम दर्ज होकर अवैध शराब के व्यवसाय से जुड़ा है। कहा जा रहा है कि, पूर्व थाना प्रभारी रायपुरिया रह चुकी कौशल्या चौहान से अच्छे सम्बंध के चलते ही महेश भटेवरा ने कल्याणपूरा थाना क्षेत्र में अपने साथ मारपीट होना बताकर अवैध शराब के धंधे की आपसी रंजिश, कुछ लोगो से निकालनी चाही, जिंसमे पत्रकार को विरोधियों का सहयोगी मानते हुए उसे भी उलझाने के उद्देश्य से झूठा नाम रिपोर्ट में लिखवा दिया और बिना जांच पड़ताल किये मामला दर्ज कर लिया।

पत्रकारों ने की निंदा सोपा ज्ञापन

पत्रकार के विरुद्ध बिना जांच के झूठा मामला दर्ज करने का प्रकरण सामने आने के बाद पत्रकारों में रोष व्याप्त है। सोमवार को पेटलावद पत्रकार संघ ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को उक्त संबंध में जिला कलेक्टर ओर एसपी के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन में बताया गया कि, किस तरह रायपुरिया थाने के गुंडा लिस्ट में शुमार व्यक्ति की शिकायत पर मारपीट का मामला दर्ज किया, जिसमे पत्रकार का नाम भी दर्ज किया। जबकि उक्त घटना के समय और स्थान पर राहुल गोस्वामी मौजूद ना होकर रायपुरिया में ही थे। सीसीटीवी फुटेज में भी राहुल का होना मौजूद पाया गया। ऐसे में एक ही व्यक्ति दो स्थान पर कैसे हो सकता है। इसके बावजूद बिना जांच के पत्रकार का नाम दर्ज कर लिया। अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर पत्रकार संघ ने एफआईआर से नाम हटाकर थाना प्रभारी कौशल्या चौहान के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

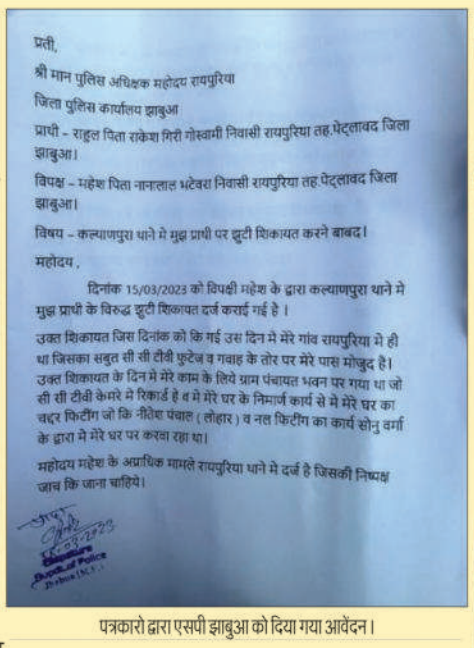
प्रती,
श्री मान पुलिस अधिक्षक महोदय रायपुरिया
जिला पुलिस कार्यालय झाबुआ
प्राथी - राहुल पिता राकेश गिरी गोस्वामी निवासी रायपुरिया तह.पेट्लावद जिला झाबुआ।
विपक्ष - महेश पिता नानालाल भटेवरा निवासी रायपुरिया तह.पेट्लावद जिला झाबुआ।
विषय - कल्याणपुरा थाने मे मुझ प्राथी पर झुटी शिकायत करने बाबद।
महोदय,
दिनांक 15/03/2023 को विपक्षी महेश के द्वारा कल्याणपुरा थाने मे मुझ प्राथी के विरुद्ध झुटी शिकायत दर्ज कराई गई है।
उक्त शिकायत जिस दिनांक को कि गई उस दिन मे मेरे गांव रायपुरिया मे ही था जिसका सबुत सी सी टीवी फुटेज व गवाह के तोर पर मेरे पास मोजुद है। उक्त शिकायत के दिन मे मेरे काम के लिये ग्राम पंचायत भवन पर गया था जो सी सी टीवी केमरे मे रिकार्ड है व मे मेरे घर के निमार्ण कार्य से मे मेरे घर का चद्दर फिटींग जो कि नीतेश पंचाल (लोहार) व नल फिटींग का कार्य सोनु वर्मा के द्वारा मे मेरे घर पर करवा रहा था।
महोदय महेश के अप्राधिक मामले रायपुरिया थाने मे दर्ज है जिसकी निष्पक्ष जाच कि जाना चाहिये।

पत्रकारो द्वारा एसपी झाबुआ को दिया गया आवेंदन।

रायपुरिया थाने पर लगी गुंडा लिस्ट, जिंसमे 4 नम्बर पर दर्ज महेश भटेवरा का नाम।

आस्था या अंध विश्वास...

नीम के पेड़ से निकल रहा पानी, लोग चमत्कार मान कर रहे दर्शन

माही की गूंज, पेटलावद।

पुलिस थाने के सामने नीम के पेड़ की खोल से विगत तीन दिनों से पानी की धार सतत बह रही है। जैसे ही यह बात नगर में फैली लोग बड़ी संख्या में इसे चमत्कार मान कर यहां दर्शन के लिए पहुच रहे हैं। यहां पानी कहा से निकल रहा है इसकी फिलहाल कोई जानकारी नही मिली हैं। यहां से नगर परिषद की कोई पाइपलाइन भी नही जा रही है इस कारण लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं। लोगो की भीड़ को देखते हुए पुलिस भी यहां तैनात है। कुछ लोगो का मानना है कि, तालाब की पाइप लाइन जा रही है जो फुट गई हैं तो कुछ लोग इसे चमत्कार बता रहे हैं। यहां देंखने के लिए आने वाले लोग बोतल में पानी भर कर ले जा रहे हैं। जिनका ऐसा मानना है कि, ये जल चमत्कारी है जिससे बीमारियों का निवारण होगा। अब ये आस्था है या अंधविश्वास इसका खुलासा तो इसके निराकरण पर ही होगा।

संगीतमय प्रभात फेरी के साथ हुआ नव वर्ष का स्वागत

माही की गूंज, थांदला।

चैत्र माह वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा, भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी परंपरागत रूप से युवा रामायण मंडल के तत्वावधान में स्थानीय श्री बड़े रामजी मंदिर थांदला से प्रातः साढें 5 बजे नो दिवसीय हरि नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का आयोजन शुरू हुआ। इस अवसर पर स्थानीय मठ वाला कुआं चौराहा, अंबिका माता मंदिर पर प्रातः सामूहिक महाआरती साढे 6 बजे संपन्न हुई।

युवा रामायण मंडल के विपुल आचार्य, शुभम नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि, प्रभात फेरी का यह 25 वा वर्ष है। प्रभात फेरी के पश्चात बड़े राम जी मंदिर पर नियमित रूप से नीम शरबत प्रसादी का वितरण भी 9 दिनों तक किया जावेगा। चैत्र नवरात्रि में नीम शरबत के सेवन का भी विशेष महत्व है। नौ दिवसीय कार्यक्रम राम जन्मोत्सव 30 मार्च को भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा व आरती के साथ संपन्न होगा।

उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

राष्ट्र सेविका समिति के तत्वावधान में स्थानीय हनुमान मंदिर बावड़ी पर प्रातः 6 बजे सामूहिक रूप से उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नव वर्ष का स्वागत किया गया।

दोपहर में निकली विशाल भगवा वाहन रैली

राष्ट्र सेविका समिति के तत्वावधान में दोपहर 3 बजे स्थानीय हनुमान मंदिर बावड़ी से भव्य भगवा वाहन रैली निकाली गई। जिसमें मातृशक्ति माताएं, बहने भगवा पताका एवं सिर पर साफे के साथ दोपहिया वाहनों से बड़ी संख्या में सम्मिलित हुई। उक्त वाहन रैली नगर के समस्त मार्गो से होते हुए पुनः हनुमान मंदिर पहुंची।

महू हत्याकांड को लेकर जयस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।

महू हत्याकांड को लेकर नाराज़ जयस संगठन ने सोमवार को जयस जिला प्रभारी प्रकाश डामर के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम अनिल कुमार राठौर को ज्ञापन सोपा। जिसमें मध्यप्रदेश के महू हत्याकांड की न्यायिक जांच कर फास्ट्रैक कोर्ट द्वारा दोषियों को कडी से कडी सजा मिले। पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और आजादी में आदिवासी नायकों की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित किया जा रहा है, ऐसे वक्त में महू के गवली-पलसिया मे एक आदिवासी युवती के साथ सामुहिक बलात्कार के बाद हत्या का मामला सामने आया है तथा उस घटना के संबंध में विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगो पर पुलिस द्वारा फायरिंग की गई, जिसमे एक निर्दोष आदिवासी युवक की मौत व एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना मिली है। मृत युवक अपने परिवार का एकलोता कमाने वाला था। पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है की इस प्रकार कि बर्बरता पूर्ण कार्यवाही से लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध व्यक्त करने व आवाज उठाने वालो के अधिकारों की अवहेलना होती है। पूर्व मे भी नेमावर हत्याकांड, लटेरी गोली कांड मे आज दिनांक तक पीडितो को न्याय नहीं मिलने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। आजादी के 7 दशक बाद भी शांति प्रिय आदिवासी समुदाय पर लगातार अमानवीय तरीके से हमले एवं उसके बाद निष्पक्षता से कार्यवाही और दोषियों को दंड ना मिल पाना सबसे बडा अन्याय और चिंतन का विषय है। तत्कालीन एनसीआरबी की रिपोर्ट भी मध्यप्रदेश मे आदिवासियों के अत्याचार पर मुहर लगाती है,जो आदिवासी समाज के प्रति जिम्मेदार शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर और चिंतनीय सवाल खडा करती है और आदिवासी आज अपने आप को डरा हुआ महसूस करता है।

समाज का मानना है कि, आदिवासियों पर हुए अत्याचार, शोषण, हमलो पर निष्पक्ष और बगैर राजनैतिक दबाव से जांच करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो तो ऐसे अपराधो पर अंकुश लगाया जा सकता है। भारतीय संविधान मे आदिवासी प्रदेशो मे महामहिम राज्यपाल की भूमिका आदिवासियों के पालक के तौर पर होती है इसलिए आदिवासी समुदाय को अपेक्षा है कि, महामहिम राज्यपाल इस मामले को स्वयं संज्ञान लेकर दोषियों पर कडी कार्रवाई के आदेश जारी करें तथा मृतक के परिवार को 1 करोड का मुआवजा और एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान करें। इस दौरान जिला प्रभारी प्रकाश डामोर, ज़िला उपाध्यक्ष मनोज डामोर, जितेन सोलकी, ध्रमेंद डामोर, अमरसिंह देवडा, राहुल मुनिया, शांतिलाल कतिजा, प्रेम भुरिया, अजीत सिंगार, दयाराम देवड़ा आदि जयस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

108 कुंडीय अति रुद्र महायज्ञ की ध्वजारोहण कार्यक्रम कल

माही की गूंज, झकनावदा। प्राचीन तपस्थली श्री श्रृंगेशवर धाम में 108 कुंडी अति रुद्र महायज्ञ 6 मई से 12 मई तक होना है जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। यज्ञ की धर्म ध्वजा की स्थापना का कार्यक्रम कल रखा गया है। उक्त आयोजन के लेकर मन्दिर समिति से जुड़े महेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि, उक्त आयोजन को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां चल रही है और इसकी शुरुआत शुक्रवार को धर्म ध्वजा की स्थापना के साथ होगी जिंसमे मन्दिर के गादीपति श्रीमहन्त रामेश्वरगिरी महाराज की विशेष उपस्थिती रहेंगी।

30 से रामकथा 6 को पूर्णाहुति व महाप्रसादी

माही की गूंज, खवासा।

स्थानीय बस स्टैंड के समीप प्राचीन संकट मोचक हनुमान मंदिर पर 6 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व को भव्य रूप देने हेतु 30 मार्च से 5 अप्रैल तक राम कथा का आयोजन रखा गया है। राम कथा साध्वी सुश्री रितु जी पांडे निवासी बागेश्वरी आश्रम भिंड के मुखारविंद से होगी।

उक्त राम कथा रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक होगी। 30 मार्च को कथा के पूर्व शाम 5 बजे हनुमान मंदिर से भव्य कलश यात्रा का आयोजन रखा गया है, उक्त कलश यात्रा हनुमान मंदिर से शुरू होकर ग्राम के मुख्य मार्ग से होते हुए कलश यात्रा हनुमान मंदिर पहुंचेगी। तत्पश्चात आरती एवं उसके बाद साध्वी सुश्री रितु जी पांडे के मुखारविंद से राम कथा शुरू होगी। 6 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव (जयंति) पर पूर्णाहुति के साथ महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन होगा।

उक्त आयोजन को भव्य रूप देने के लिए ग्राम के सभी रहवासियों ने एकमत से अपने कार्य में जुटकर समस्त क्षेत्र एवं जिले के साथ राजस्थान व गुजरात के श्रद्धालुओं से अपील की है कि, वह रात्रि 8 से 12 में अपना समय निकालकर कथा स्थल पर आकर कथा का श्रवण करें एवं पूर्णाहुति व महाप्रसादी में शामिल होकर हनुमान जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन को सफल बनावे।

बता दे कि, सुश्री रितु जी पांडे के मुखारविंद से खवासा में यह दूसरी बार कथा का वाचन होगा इसके पूर्व मई 2016 में नौ दिवसीय रामकथा का आयोजन किया गया था जो अपनी भव्यता के साथ आज भी क्षेत्रवासी उस कथा का अनुसरण करते हैं।

मंडी के अधिकारी खुद की जेब गर्म कर के शासन को लगा रहे चुना

160 क्विंटल को 50 क्विंटल की गाड़ी बनाकर वसूला शुक्ल बाकी जेब में, रोज हो रही लाखों की हेरा-फेरी

माही की गूंज, पेटलावद।

क्षेत्र से निकल कर गुजरात और राजस्थान जाने वाले अनाज के वाहनों पर लगने वाले मंडी टेक्स की बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। जिससे ये खुलासा होता हैं कि, जिस तरह मंडी के कर्मचारी ओर अधिकारी शासन को मंडी से होने वाली राजस्व वाली आय को नुकसान कर अपनी जेब भर रहे हैं। जो मामला सामने आया है उससे साफ है कि कृषि उपज मंडी में रोज लाखो रुपये का चूना सरकार को लगा रही हैं।

शुक्रवार को करवड़ क्षेत्र में मंडी के कर्मचारियों ने एक ट्रक क्रमांक जीजे 20 एक्स 0049 को पकड़ा, जुसमे 160 क्विंटल गेंहू था ओर वाहन बिना मंडी के कागज के रतलाम ग्रामीण से भर, मंडी टेक्स चोरी कर के दाहोद जा रहा था। उक्त माल की किमत करीब तीन लाख है। गाड़ी करवड़ के यहा मंडी के एक कर्मचारी ने पकड़ी और करीब 2 घंटे गाडी खड़ी रखी, फिर वाहन को पेटलावद मंडी में ले गए जहा पर मंडी कर्मचारी अश्विन वासना ने माल मालिक से बात की और माल की पेन्लंटी जमा करने के लिए पेटलावद बुलाया। रतलाम से माल मालिक पेटलावद पहुचा और मंडी के नियमो के अनुसार 32 हजार के लगभग की पेन्लेंटी बनती है, लेकिन मंडी कर्मचारियों ने व्यापारी से तोड़-बट्टा कर वाहन में 50 क्विंटल गेंहू बताकर मंडी टेक्स 1350 रूपये का आकलन किया गया और दंड की राशि पाच गुना बता कर 6 हजार 750 रूपये की रसीद बनाई दी। बाकी मंडी कर्मचारी, अधिकारियों ने व्यापारी से ऊपर-ऊपर लेकर बंदरबांट कर ली। ये कोई एक दिन की बात नही बल्कि रोज का है। मंडी के कर्मचारी क्षेत्र से निकलने वाले वाहनों को रोककर मंडी टेक्स की चोरी करने वाले वाहनों को रोक कर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं।

मंडी टैक्स में अश्विन कर रहा है करोड़ो की चोरी, हर बोरी का रेट फिक्स

विगत 1 साल से मंडी प्रशासन अगर पेटलावद मंडी टेक्स की पिछले 3 साल की जोड़ लगाए तो पिछले 1 साल में टेक्स कितना कम आय यह पता लग जायेगा। डीएस साहब को बताने वाले यह बता ते है कि, पिछले 1 साल पहले अश्विन थांदला में पदस्थ था और वाह पर कई कारनामे करे वाह एक तो बॉडर लगती थी तो अश्विन ने जावरा ,नीमच तरफ से पोस्ट दाना, अजवाइन, धनिया, मेथी, ओर कई ऐसी चीज जिस पर टैक्स बहुत बनता था जिनको इन महाशय ने पकड़ कर लाखो की कमाई करी है। लगातार टेक्स चोरी की जानकारी की चर्चा होने पर साहब निगाहों में आने लगे थे। अब इनको तलाश थी नई जगह की पर वह दूर नही हो और क्षेत्र यही हो, जैसे ही इनको मालूम पड़ा कि, पेटलावद मंडी में सचिव का पद रिक्त है तो इन्होंने अपने ऊपरी आकाओं की जेब गर्म की ओर पेटलावद मंडी में सचिव का चार्ज ले लिया। क्यो की देखे तो पूरे जिले के सब से बड़े व्यापारी भी पेटलावद मंडी में ही आते है। जिनका पूरा काम निकट राज्य गुजरात-राजस्थान में ज्यादा जाता है। गुजरात मे मंडी टेक्स फ्री है, वही राजस्थान में कुछ 50 पैसे से ही मंडी लगती है, जो मध्यप्रदेश में 1 रूपये 70 पैसे लगती है जो बहुत ज्यादा है इस ही का फायदा ले कर अश्विन ने यहां का चार्ज तुरंत लिया। सेटिंग कर के इस वर्ष अश्विन ने मंडी में ऑफ द रिकॉर्ड अपनी एक रेट लिस्ट सभी को बता रखी है। बिना नाम बताए व्यापारी ने बताया की सर ने सोयबीन में 85 रुपये 1 क्विंटल पर टैक्स अंदाज बनता है तो 30 रुपये फिक्स कर रखे है। कपास में 40 रुपये प्रति क्विटल कर रखे है। मक्का में 5 रुपये, गेंहू में 6 रुपये बाकी जो बिना सूचना के जाएगा ओर पकड़ा गया तो उसको माल की वेल्यू के टैक्स का 5 गुना तो भरना ही है, यह साब का मेन्यू है जो ऑफ द रिकॉर्ड है। साहब तो यब भी दबी जुबान कहते है कि, में अकेले नही खाता ऊपर वाले संभाग में भी भेजता हु। बंदी के नाम पर रोज हजारो लाखो की मंडी टेक्स चोरी होती है जिससे शासन को बड़े राजस्व की हानि हो रही है। अश्विन साहब ने अपनी जद में आने वाले आस-पास के व्यापारियों को बोल रखा है कि, वाट्सअप पर गाड़ी नंबर भेज दो आस-पास की मंडी वाले भी कुछ नही बोलेंगे में उनको गाड़ी नंबर भेज दूँगा ओर फिर आप बिना टेंशन व्यापार करो हम आप के साथ है।

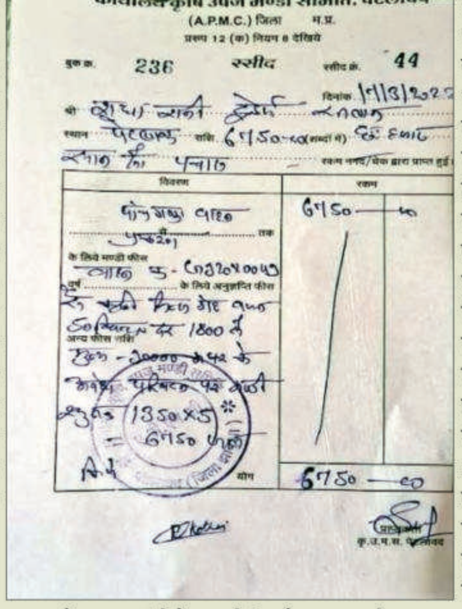

संपादकीय

नवरात्र सेहत का महाव्रत

यह भारतीय मनीषियों की दूरदृष्टि व जीवन के प्रति संवेदनशील नजरिए का ही प्रमाण है कि हमारे तीज-त्योहार ऋतु चक्र से जुड़े रहे हैं। ऐसे वक्त में जब प्रकृति अपने उदात्त रूप में जीवन में नए उत्साह का संचार करती है। इसी कड़ी में साल में दो बार आने वाले नवरात्र पर्व भी मौसम के संधिकाल में आते हैं। पहले, मार्च में जब मौसम ठंड से गर्मी की ओर प्रस्थान कर रहा होता है और दूसरे अक्तूबर के आसपास जब गर्मी के बाद सर्दी की दस्तक हो रही होती है। मौसम के इस

संधिकाल में तमाम तरह के परिवर्तन न केवल मानव शरीर में बल्कि अन्य जीव-जंतुओं व सूक्ष्मजीवियों में भी होते हैं। ऐसे में खान-पान के संयम से शरीर में इतनी अतिरिक्त ऊर्जा का संचार किया जाता है ताकि शरीर ऋतु परिवर्तन चक्र के अनुरूप ढल सके। दरअसल, नवरात्र में आठ दिनों का उपवास इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। जिसके जरिये हम संयम का पालन करते हुए आत्मबल में वृद्धि कर सकें। दरअसल, ऋषि-मुनियों की स्पष्ट धारणा थी कि हमारा शरीर ब्रह्मांड की तरह से पांच तत्वों से बना है। जिस तरह पृथ्वी, आकाश, वायु, जल और अग्नि प्रकृति में विद्यमान हैं, उसी तरह हमारे शरीर में भी। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि इन पांच तत्वों का शरीर में संतुलन होना ही हमारे स्वास्थ्य की गारंटी भी है। इसी क्रम में आयुर्वेद व योग में ऋषि परंपरा के इस तथ्य को स्वीकार किया गया है कि मनुष्य के शरीर में भी आकाश तत्व का स्थान होना चाहिए। जिसका अभिप्राय है कि हम खाना ठूंस-ठूंस कर न खाएं, व्रत करें। योग में मान्यता रही है कि हम आधा पेट ही भोजन करने से स्वस्थ रहते हैं। पेट में एक चौथाई भाग पानी और एक चौथाई भाग वायु यानी आकाश तत्व के लिये होना चाहिए। जिससे शरीर में जठराग्नि खाने को सहजता से पचा सके। यह निर्विवाद सत्य है कि हम बीमार अधिक खाने तथा कम श्रम करने से होते हैं। एक उम्र के बाद शरीर में अधिक भोजन की आवश्यकता नहीं होती।

कह सकते हैं कि, हमारे पूर्वजों ने शरीर को स्वस्थ्य रखने तथा आध्यात्मिक उत्थान हेतु नवरात्र जैसे व्रत का विधान किया। इस दौरान देवी पूजा नारी सशक्तीकरण का पर्याय है तो कन्या पूजन बेटियों को सामाजिक सुरक्षा देने का संकल्प है। पूरे जाड़ों में लोग ठंड से बचने के लिये गरिष्ठ व ज्यादा पौष्टिक खाना खाते हैं। यह महाव्रत हमारे पाचन तंत्र को विश्राम देने के लिये होता है ताकि गर्मियों में हम हल्का व सुपाच्य भोजन का सेवन आसानी से कर सकें। सात-आठ दिन के व्रत हमें मौसम के चक्र में बदलाव से शरीर की जरूरतों के अनुरूप तैयार करते हैं। विडंबना यह है कि हमने व्रत के दौरान सामान्य भोजन के ऐसे विकल्प तलाश लिये हैं जो न केवल गरिष्ठ हैं बल्कि उपवास के दौरान शिथिल पड़े आंतरिक कोमल अंगों के भी अनुकूल नहीं होते। दरअसल, व्रत का पूरा एक सुव्यवस्थित विज्ञान है। आज देश में फैशन है कि भारतीय परंपराओं को रूढ़िवादिता का जामा पहना दिया जाता है। लेकिन वही बात यदि पश्चिमी देशों से शोध के जरिये सामने आ जाती है तो उसका अंगीकार करने में हम गुरेज नहीं करते हैं। पिछले एक दशक में अमेरिका व यूरोपीय देशों के कई ऐसे विज्ञानियों को नोबेल पुरस्कार मिले हैं जिनका शोध हजारों वर्ष पूर्व भारत के योगियों के योग सिद्धांतों पर आधारित है। दरअसल, आज देश में मधुमेह, हृदय रोग तथा उच्च रक्तचाप जैसे मनोकायिक रोग हमारे खानपान की शैली में आई विकृति की देन हैं। हमारे खाने की गुणवत्ता और उसकी मात्रा का हमारी सेहत से सीधा संबंध है। विडंबना यह है कि हम पांच फीट के शरीर की जरूरतों के बजाय पांच इंच की जीभ के स्वाद को प्राथमिकता देते हैं। जो हमारे खराब स्वास्थ्य का कारण भी है। ऐसा नहीं है कि केवल हिंदू धर्म में व्रत के महात्म्य को स्वीकारा गया है, बल्कि जैन, बौद्ध व इस्लाम धर्म में भी व्रत को महत्व दिया गया। जिसका सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से है। लेकिन व्रत एक संयम व शुचिता की मांग भी करता है।

लोकतंत्र का माखौल- विधायकी एक बार... जन धन की लूट बार-बार ?

आजादी के बाद के अब तक के 75 सालों में जहां लोकतंत्र की परिभाषा सहित उसकी मूल धारणा में काफी स्वार्थी फेरबदल हुआ है, वहीं अब तो लोकतंत्र की रीढ़ जनप्रतिनिधि भी काफी बदल गए हैं, अब राजनेताओं ने संसदीय परिसर को चारागाह के रूप में बदल दिया है, एक बार येन केन प्रकारेण जो शख्स चुनाव जीत जाता है, वह न सिर्फ अपने जनप्रतिनिधित्व काल में बल्कि उसके बाद भी अपनी अगली सात पीढ़ी तक की खुशहाली बटोरने की कोशिश करता है और कुछ हद तक वह अपने प्रयासों में सफल भी हो जाता है, अपने 5 वर्षीय संसदीय या विधायकी काल में उसके लिए संसद या विधानसभा से दिया जाने वाला वेतन कोई मायने नहीं रखता क्योंकि वह कई कानूनी या गैरकानूनी माध्यमों से इतनी कमाई कर लेता है कि उसे वेतन की चिंता ही नहीं रहती, उसे वेतन की याद तब आती है जब उसका संसद या विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो जाता है और फिर वह पूर्व सांसद या पूर्व विधायक रहते हुए वह सब आर्थिक लाभ चाहता है जो पूर्व मंत्रियों या पूर्व मुख्यमंत्री को मिलते हैं, आज कल यह नजारा मध्यप्रदेश में सहज ही देखने को मिल रहा है, यहां पिछले दिनों पूर्व विधायकों का सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें पूर्व विधायकों द्वारा इसी तरह की मांग की गई और मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें आश्वस्त भी किया कि उनकी विधायक की पेंशन लगभग दुगनी कर दी जाएगी यह घोषणा यह सोचकर शायद की गई होगी कि अगले कुछ ही महीनों बाद इनके पदनाम के साथ भी पूर्व लगने वाला है।

यह तो सब ठीक है आज का यही चलन है किंतु यहां यह विचार सामयिक तथा जरूरी है कि यह जनप्रतिनिधिगण अपने मतदाताओं के प्रति कर्तव्य व दायित्व का किस सीमा तक निर्वाहन करते हैं क्या अपने दिल पर हाथ रखकर इस प्रश्न का उत्तर पूरी ईमानदारी से खोजने का किसी भी सांसद, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री ने किया? कितनी आशाओं उम्मीदों के साथ मतदाता इन्हें चुनता है, प्रत्याशी भी बढ़-चढ़कर जनहित की घोषणाएं करते हैं और फिर चुनाव जीतने के बाद चुनावी वादे और घोषणा पत्र कहां चले जाते हैं? यहां स्वयं जनप्रतिनिधि भी नहीं जानता? क्या अब हमारे देश में यही लोकतंत्र रह गया है? शायद इसी कारण अब लोकतंत्र की मूल अवधारणा से आमजन का विश्वास खत्म होता जा रहा है और इसी कारण इस लोकतंत्र व्यवस्था के प्रति आस्था में भी उत्तरोत्तर कमी परिलक्षित होने लगी है। इसके एकमात्र दोषी यह व्यवस्था नहीं बल्कि इसके तहत काम करने वाले हमारे जननेता है।

हमारे भारत को विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने का गौरव प्राप्त है, पूरे विश्व में भारत को इसलिए सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, किंतु क्या हम इन मौजूदा परिस्थितियों में अपने आप व अपने देश पर गर्व करने की स्थिति में है? इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए गहन चिंतन की आवश्यकता है और गहन चिंतन के बाद हाथ क्या आएगा? यह भी हम जानते हैं कि केवल और केवल निराशा...।

इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे मौजूदा प्रधानमंत्री जी बेहद ईमानदार व कुशल प्रशासक है, किंतु क्या वे अपने अब तक के 8 साल से भी अधिक के कार्यकाल में हमारे लोकतंत्र को इस बदनामी से बचाने में सफल हो पाए? अकेले प्रधानमंत्री के सर्वगुण संपन्न होने से क्या पूरा देश उसी के अनुरूप हो जाएगा? इसके लिए भावी जनप्रतिनिधियों को लोकतंत्र की भावना के अनुरूप तैयार करना पड़ेगा, साथ ही अपने स्वार्थी प्रलोभनों का त्याग करना पड़ेगा, तभी हमारे जनप्रतिनिधि अपने मतदाताओं की उम्मीदों के मापदंड में खरे उतर पाएंगे? यद्यपि फिर यह सिर्फ मेरी कल्पनाएं है, क्योंकि इसकी शुरुआत कौन कहां से कर पाएगा यही तय नहीं है, यदि हम अपने प्रयासों में सफल नहीं हो पाए तो वह दिन दूर नहीं जब यह लोकतंत्र आपाधापी तंत्र में तब्दील हो जाएगा और हम विश्व के मंच पर कहां खड़े मिलेंगे? कोई नहीं बता सकता?

ओमप्रकाश मेहता

कांक्रीट होते परिवेश से उपजा संकट

मेज.जन. अरविंद यादव

हमारे घरों और जीवन में अपनी कर्णप्रिय चीं-चीं की धुन से रोनक लाने वाली चिड़िया अब नहीं आती। यह नन्हा सुंदर पक्षी कभी हमारे घरों का एक महत्वपूर्ण सदस्य हुआ करता था जब हम सब बचपन से इनके साथ बड़े हुए। हम चिड़िया का गीत सुनकर सवेरे-सवेरे उठते थे, भोजन साझा करते थे और न करें तो ये अपना हिस्सा मांगने थाली में आ कर बैठ जाती थी। धूप में पानी पीते, रेत में नहाते देख ताली बजाना और शाम को इनके घोसले में जाने के बाद सोना, यह सब हमारी दिनचर्या के हिस्से थे।

अब स्थिति बदल गई है। न चिड़िया दिखती है और न उनका गीत सुनाई देता है। इंसानों ने नासमझी से गौरैया का अस्तित्व ही खतरे में डाल दिया है। इनकी संख्या इतनी कम हो गई है कि कहीं-कहीं तो अब यह बिल्कुल दिखाई नहीं देती। विश्वभर में गौरैया की 26 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 5 भारत में देखने को मिलती हैं। मनुष्य के साथ गौरैया का रिश्ता करीब 10 हजार साल पुराना है। गौरैया ने इंसानों के साथ रहने के लिए सबसे अधिक क्रम-विकास किया है। वास्तव में ये चिड़ियां इनसानों पर लगभग पूर्णतः निर्भर हो गयी और शायद यही इनके विनाश का मुख्य कारण है। ग्रामीण परिवेश में अभी भी ठीक ठाक संख्या में संघर्षरत हैं परन्तु शहरी इलाकों में तो लगभग समाप्त ही हो चुकी हैं। जो थोड़ी-बहुत बची भी हैं, वे ग्रामीण इलाकों की ओर पलायन कर चुकी हैं।

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि इनकी संख्या आंध्र प्रदेश में 80 फीसदी तक कम हुई है और केरल, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में इसमें 20 फीसदी तक की कमी देखी गई है। इसके अलावा तटीय क्षेत्रों में यह गिरावट निश्चित रूप से 70 से 80 प्रतिशत तक दर्ज की गई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। ब्रिटेन और यूरोप में तो गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला गया है। यदि गौरैया के संरक्षण के समुचित प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को शायद देखने को भी न मिले।

निःसंदेह, जब तक मानवजाति गौरैया के संरक्षण के लिए जागरूक नहीं होगी तब तक इनका संरक्षण नहीं किया जा सकता। इसी दिशा में होने वाले प्रयासों के फलस्वरूप बीस मार्च को विश्व गौरैया दिवस के रूप में घोषित कर दिया गया। इसके बाद इनके संरक्षण की ओर कुछ और कदम भी उठाए गये। भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और बिहार सरकार ने गौरैया को अपना राजकीय पक्षी भी घोषित किया। परन्तु समावेशी जागरूकता के अभाव में कुछ निर्णायक सफलता प्राप्त नहीं हुई। याद है बचपन में मां सुबह सुबह पहले दो रोटी गाय और चिड़िया के लिए बनाती थी। आंगन में हम छोटे-छोटे टुकड़े उनको खिलाते थे। मां जब अनाज पिछोड़ती और चक्की पीसती तो ढेरों चिड़िया आसपास चुग रही होती थी। सारे घर, आंगन और दालान में पीने के पानी की कोई कमी नहीं थी। छप्पर, रोशनदान, छत के कोने सब घोसलों से भर जाते थे। गली-गलियारों में सूखे स्नान के लिए मिट्टी की कमी न थी। बेरी के झाड़, नीम, आंवला, शहतूत और पीपल के पेड़ फलों से लदे रहते थे।

हमारी आधुनिक जीवनशैली गौरैया को सामान्य रूप से रहने के लिए बाधा बन गई। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, खेतों में कृषि रसायनों का अधिकाधिक प्रयोग और घरों में शीशे की खिड़कियां इनके जीवन के लिए प्रतिकूल हैं। जहां कंक्रीट की संरचनाओं के बने घरों की दीवारें घोसले को बनाने में बाधक हैं वहीं अत्याधुनिक शहरीकरण के कारण उसके प्राकृतिक भोजन के स्रोत समाप्त होते जा रहे हैं। जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण गौरैया की घटती आबादी का कुछ प्रमुख कारण है। हजारों मोबाइल टावर अब शहरों और गांव में लगाए जा रहे हैं जो गौरैया के लिए प्रमुख खतरा है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणों से इनके अंडों में पल रहे भ्रूण का तापमान बढ़ जाता है और उसकी जन्म से पहले ही मृत्यु हो जाती है।

गौरैया ज्यादातर छोटे-छोटे झाड़ीनुमा देसी पेड़ों में रहती हैं लेकिन सुंदर पार्क बनाने के लिए हमने इन को काट कर विदेशी पेड़ लगा दिए। गौरैया तो छोड़िए, इस नए माहौल में तो स्वस्थ इंसान नहीं पनप सकते। कुदरत दस्तक दे रही है कि जागने का समय आ गया है। अभी अगर कुछ ठोस नहीं किया गया तो बच्चों को चिड़िया इंटरनेट पर ही देखने को मिलेगी। निःसंदेह, हमें अपनी जीवनशैली को थोड़ा-सा कुदरत के नजदीक ले जाना है। दैनिक जीवन में कुछ छोटे-छोटे बदलाव से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

गौरैया के लिए घोसले की जगह छोड़िए। जूते के डिब्बों, प्लास्टिक की बड़ी बोतलों और मटकियों में छेद करके इनका घर बना कर उन्हें उचित स्थानों पर लगाएं। और किस्मत से अगर गौरैया आपके घर में घोसला बनाए तो उसे बनाने दें उसे हटाएं न। रोजाना अपने आंगन, खिड़की, बाहरी दीवारों पर उनके लिए दाना-पानी रखें। घरों के आसपास देसी और फल-फूल वाले पेड़-पौधे एवं झाड़ियां लगाएं न कि आकर्षक विदेशी झंखाड़। प्रजनन के समय उनके अंडों की सुरक्षा का ध्यान रखें। सबसे महत्वपूर्ण है आम आदमी के अंदर यह सामाजिक चेतना का संचार और जागरूकता। एक सामूहिक प्रयास के रूप में अगर हम पर्यावरण को बदलेंगे तभी यह विकट समस्या सुलझेगी।

गुरु परंपरा और वक्त के अलबेले झमेले

कल मेरा नहीं, मेरे गुरुदेव के गुरुदेव का जन्मदिन था। सब टाइप के गुरुओं की सबसे बड़ी कमजोरी यही होती है कि उनको चाहे रोज कुछ भी दो, वे खुश नहीं होते। पर जो उनके जन्मदिन पर उन्हें सचित्र उनके चरणों में लेटे बधाई न दो तो वे बहुत नाराज हो जाते हैं। इसीलिए मेरे गुरुदेव के गुरुदेव के असली-फसली चेलों का फेसबुक पर व्हाट्सएप पर उनके लिए बधाइयों का तांता लगा हुआ था। ऐसी-ऐसी बधाइयां, ऐसी-ऐसी शुभकामनाएं कि... हर बधाई, शुभकामना पर दम निकले।

इसी सिलसिले में उनके सबसे प्रिय फसली चेले बोले तो मेरे परम गुरु को जब अपने गुरु के चरणों में अपने पड़े होने वाली वाली कोई तस्वीर फेसबुक पर डालने को नहीं मिली तो वे अधीर हो उठे। अचानक भंवर में फंसे उनके फसली चेले बोले तो मेरे गुरुदेव का फोन आया, 'और फसली चेले! क्या कर रहे हो?'

'अपने गुरु की बोई फसल को काटने की ताक फिराक में हूं गुरुदेव कि वह कब जैसे काटने लायक हो और मैं उस पर अपनी वफादारी की दराटी साफ कर...'

'तुम्हारी यह इच्छा शीघ्र पूरी हो वत्स।' उन्होंने मुझे उसी तरह आशीर्वाद दिया जैसे उनके गुरु उन्हें देते आए थे, पर वह फलीभूत आज तक न हुआ था, 'पर चेले अजीब-सी उलझन में फंसा हूं।'

'गुरु और उलझन में? उलझन में तो चेले रहते आए हैं गुरुदेव! कहिए गुरुदेव! क्या उलझन है?'

'आज मेरे गुरु का जन्मदिन है।'

'तो आपको बहुत-बहुत बधाई गुरुदेव।' मैंने उनके थ्रू उनके गुरु को बधाई दी तो उन्हें अपने चेले पर झूठा गुरूर हुआ।

'पर यार चेले, समस्या गंभीर है।'

'कितनी? पुरस्कार के रोग से भी गंभीर?'

'हां! कुछ ऐसी ही मान लो। दरअसल, मुझे अपने गुरु के चरणों में लोटने वाला सब चेलों से धांसू अपना कोई पुराना फोटो फेसबुक पर पोस्ट करने को नहीं मिल रहा। दो-चार मिले भी, पर एक में मैं मैं नहीं लग रहा तो दूसरे में वे वे नहीं लग रहे थे।' समस्या सच्ची को गंभीर थी।

'तो एक आइडिया है गुरुदेव!'

'क्या!' उनकी आवाज से लगा गुरु को ज्यों अपने चेले के चरणों की धूलि मिल गई हो।

'मेरे पास आपके चरणों वाले तीन-चार एक से एक ठस फोटो हैं।'

'पर यार! जन्मदिन मेरा नहीं, उनका है कुछ समझा करो न! तुम साहित्यिक स्तर पर ही नहीं, व्यावहारिक स्तर पर भी मेरे सबसे कमजोर हुए चेले हो।'

'सब आपका स्नेह गुरुदेव! अब आप ऐसा कर सकते हो कि फोटोशॉप पर जाकर उनमें से अपनी सबसे पसंद की एक फोटो को एडिट कर अपने सिर पर अपने गुरुदेव का सिर लगा दो और मेरे सिर पर अपना। गुरु-शिष्य परंपरा भी बनी रहेगी और आपका काम भी हो जाएगा। फिर देखना! आपके गुरुदेव आपको अपने मठ का वारिस घोषित कैसे नहीं करते?'

लेखक :- अशोक गौतम

कोविड की सीख से इन्फ्लूएंजा वायरस का मुकाबला

डॉ. शशांक द्विवेदी

दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में इस समय इन्फ्लूएंजा ए के सब टाइप एच3एन2 वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार से प्राप्त अब तक के आंकड़ों के अनुसार एच3एन2 सहित इन्फ्लूएंजा के विभिन्न सब टाइप के तीन हजार से अधिक संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई है। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में एच3एन2 वायरस खतरा बढ़ गया है। इस वायरस से देश में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं वायरस का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में है। यहां अब तक स्वाइन फ्लू और एच3एन2 के कुल 352 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें एच3एन2 से पीड़ित 58 मरीज हैं।

भारत में जनवरी से मार्च तक का वक्त फ्लू सीजन माना जाता है। इस दौरान लोगों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इस बार का फ्लू सीजन काफी अलग है। इस बार न सिर्फ मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ी है, बल्कि उनकी खांसी भी हफ्तों ठीक नहीं हो रही। मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की भी नौबत आ रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि लैब में टेस्ट किए गए इन्फ्लूएंजा सैंपल्स में से लगभग 79 फीसदी में एच3एन2 वायरस पाया गया है। इसके बाद 14 फीसदी सैंपल्स में इन्फ्लूएंजा बी विक्टोरिया वायरस पाया गया है और 7 फीसदी में इन्फ्लूएंजा ए एच1एन1 वायरस पाया गया है। एच1एन1 को आम भाषा में स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है।

इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 के तेजी से फैलने के बारे में विशेषज्ञों ने पहले ही आगाह किया था। तब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने कहा था कि पिछले 2-3 महीनों में इन्फ्लूएंजा टाइप ए के सबटाइप एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस को लेकर कहा कि ये वायरस भीड़-भाड़ वाली जगहों में आसानी से लोगों को अपना शिकार बनाता है।

एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमण के बाद गंभीर लक्षण विकसित होने की संभावना अधिक होती है। इनको बीमारी से उबरने में अधिक समय लग सकता है। पिछले तीन साल में ज्यादातर लोग कोविड-19 से प्रभावित हुए हैं। इसका असर अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ इम्यून सिस्टम पर भी देखा जा सकता है। एंटीजेनिक ड्रिफ्ट के कारण फ्लू वायरस हर साल बदलता है और मौजूदा समय में प्रमुख वायरस एच3एन2 है।

इन्फ्लूएंजा वायरस पर मेदांता के इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के अध्यक्ष और चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के मुताबिक एच3एन2 एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है। ये हर साल इस मौसम में होता है। उन्होंने बताया कि ये इस तरह का वायरस है जो समय के साथ म्यूटेट होता है। इसे मेडिकल की भाषा में एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहते हैं। एच1एन1, वायरस का वर्तमान सर्कुलेटिंग स्ट्रेन एच3एन2 है, इसलिए यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन है। उनका कहना है कि इसलिए मौजूदा वक्त में हम इन्फ्लूएंजा के केसों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। इसके मरीजों में बुखार, गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने के मामले बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस की वजह से होने वाला सांस का एक तेज संक्रमण है जो दुनिया के सभी हिस्सों में फैलता है, और विश्वस्तर पर कुछ महीनों के दौरान इसके मामलों में बढ़ोतरी देखी जाती है। भारत में हर साल मौसमी इन्फ्लूएंजा दो बार चरम पर होता है। एक जनवरी से मार्च तक और दूसरा मानसून के बाद होता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है।

कोविड महामारी के दो साल बाद, बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में फिक्र बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस ए, बी, सी और डी चार तरह का होता है। इनमें ए और बी से मौसमी फ्लू होता है। इन्फ्लूएंजा ए के दो प्रकार एच3एन2 और एच1एन1 होते हैं। इन्फ्लूएंजा टाइप बी का कोई प्रकार नहीं होता, लेकिन लाइनेज होते हैं। इनमें सी सबसे कमजोर और कम खतरे वाला माना जाता है। इसका डी टाइप मवेशियों को शिकार बनाता है। आईसीएमआर के मुताबिक, सर्विलांस डेटा बताता है कि 15 दिसंबर के बाद से एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। इन मामलों में सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन वाले आधे से ज्यादा मरीज एच3एन2 के संक्रमण से ग्रस्त रहे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 का संक्रमण गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोग मास्क का इस्तेमाल करते रहेंगे तो इससे काफी हद तक बचाव किया जा सकेगा। उन्होंने जानकारी दी थी कि इस वायरस के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने का निर्णय लेने की बात चल रही है। सभी वायरल बुखारों में लगभग समान लक्षण होते हैं। शुरुआत में यह अंतर करना बहुत मुश्किल है कि आपको आपको कौन-सा वायरल इन्फेक्शन है। आइसीएमआर ने हाल में अपनी स्टडी में पाया कि वर्तमान में लोगों में जो इन्फेक्शन हो रहा है वो बड़े पैमाने पर एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस का है, कोरोना का नहीं है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल भारत में इन्फ्लूएंजा के मामले जिस तेजी से बढ़े हैं उससे लगता है कि यह दौर लंबे समय तक चलेगा। इसके लक्षण जैसे खांसी और खराश तीन हफ्ते तक रह सकते हैं। वहीं आमतौर पर मौसमी बुखार और खांसी करीब पांच से सात दिन तक रहते हैं।

इन्फ्लूएंजा एच3एन2 (एच3एन2) में सतर्कता बरतनी जरूरी है। इसकी संक्रमण क्षमता ज्यादा है। जुकाम, बुखार, खांसी व शरीर में दर्ज जैसे सामान्य लक्षण हैं। जिन लोगों को सांस संबंधी कोई बीमारी, एलर्जी, ब्लड प्रेशर व शुगर की समस्या है, वे ज्यादा सावधानी बरतें। इन्फ्लूएंजा पर जो अध्ययन हुए हैं, उसके मुताबिक, इन्फ्लूएंजा की चपेट में आने वाला एक व्यक्ति चार और लोगों को संक्रमित कर सकता है। संक्रमित व्यक्ति से जितनी दूरी बनाए रखेंगे, उतना ही अच्छा रहेगा। इन्फ्लूएंजा बिल्कुल कोरोना संक्रमण जैसा है। लिहाजा, मास्क लगाने व समय-समय पर हाथ धुलने की आदत बनाए रखनी चाहिए। इधर बच्चों में बुखार, सिरदर्द, जुकाम और खांसी की समस्या बढ़ी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और साथ ही गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में एच3एन2 वायरस का संक्रमण चिंताजनक हालात पैदा कर सकता है। आमतौर पर हर साल भारत में मौसमी इन्फ्लूएंजा का सबसे ज्यादा असर ठंड के मौसम और मानसून के बाद के महीनों में देखा जाता है। दरअसल, कोविड संकट की वजह से पिछले तीन साल में फ्लू के खिलाफ लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कम हुई है। इसलिए इस वायरस के खिलाफ सावधानी बरतना जरूरी है। जिनमें पर्याप्त आराम करना, तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाना और सूक्ष्म पोषक तत्वों को शामिल करने के लिए आहार में विविधता लाना भी शामिल है। साथ ही डॉक्टरों का कहना है कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट या शॉपिंग मॉल जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना चाहिए और मास्क पहनना जरूरी है।

क्या अपने भ्रष्टाचारी पति के कर्मों की सजा भुगतने को तैयार है सरपंच गंगाबाई...?

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जिस तरह हमारे द्वारा ग्राम पंचायत मगरानिया में भ्रष्टाचार की देवी गंगाबाई मालवीय व प्रतिनिधि बाबुलाल मालवीय के द्वारा किये गए भ्रष्टाचार को पूर्व के अंको में प्रमुखता से लाकर जनता के सामने लाया गया था व जनहित की राशि मे लाखो का गबन करने के संबंध में उच्च अधिकारियों से कार्यवाही की मांग की थी। उसी के बाद से अब कार्यवाही की रफ्तार तीव्र गति से और अग्रसर हो चली है। कार्यवाही के सम्बंध में भी समस्त पत्रकारों द्वारा जनपद कार्यालय शुजालपुर पहुँचकर संगठन के नाम एक आवेदन दिया गया व कार्यवाही की मांग की गई है। साथ ही जांच के बाद एफआईआर की भी मांग की गई। जिसमें जनपद सीइओ रुशाली पोरस द्वारा भी उच्चस्तरीय जांच दल गठित कर निष्कर्ष के बाद एफआईआर करने का आश्वासन दिया गया।

पहले करवाई अपने नाम से झूटी एफआईआर, अब कर रहा अपनी भ्रष्टाचारिणी पत्नी गंगाबाई को आगे

जिस तरह लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ द्वारा दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार की देवी गंगाबाई मालवीय के संबंध में रोजाना नए-नए खुलासे करके जनता के सामने लाए जा रहे है। उसी से बौखलाया हुआ बाबुलाल मालवीय अब अपनी पत्नी सरपंच गंगाबाई को बचाने के भरसक प्रयास में लग चुका है। एक के बाद एक अपनी राजनीतिक रणनीति को अंजाम दिए जा रहा है। कुछ विश्वशनीय सूत्रों द्वारा तो यह भी कहा जा रहा है कि, खबर प्रकाशन से बौखलाकर सरपंच प्रतिनधि बाबुलाल मालवीय पत्रकारो पर दोबारा अपनी पत्नी को ढाल बनाकर एफआईआर करवाने की फिराक में है। जिससे की लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की आवाज को दबाया जा सके व अपने आर्थिक सुधार कार्यक्रम को जनहित की गाड़ी कमाई के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सके। सूत्र तो यहा तक बता रहे है कि, साहब ने भविष्य की गणना करने व अंकगणित में पहले से ही महारथ हासिल कर रखी है। जिससे वह पहले ही भविष्य में आने वाली विपदा को पहचान लेते है व अपने बचाव को कर सकते है। यज्ञपी दूसरे शब्दो में कहे तो बाबुलाल मालवीय मानो त्रिकालदर्शी की तरह भविष्य देख सकते है व जनता व खुद पर आने वाले बुरे भले समय का अंदाजा लगा सकते है, ऐसा ग्रामीणवासी कहते है।

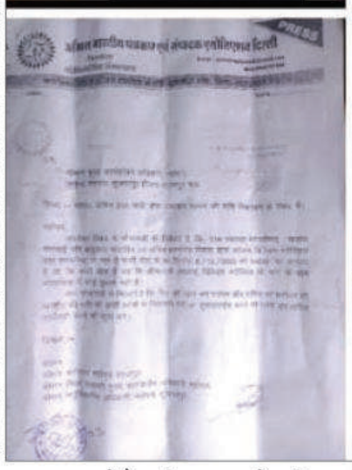

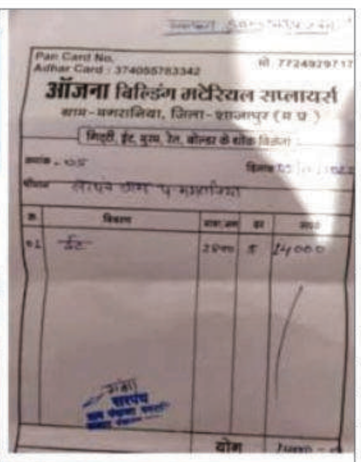

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ भविष्य की गणना करे बगैर ही इनके द्वारा किये गए भ्रष्टाचार की परतो को परत दर परत खोल रहा है। वही दूसरी तरफ कार्यवाही की गाज से घबराया हुआ बाबुलाल मालवीय झूटी एफआईआर करने जैसी अपनी गीदड़ भफकियो वाले पुराने अंदाज में नज़र आ रहा है।

ग्राम पंचायत की जनता को किस्से कहानिया सुना-सुनाकर व कहानियों के मध्य में झूट का मसाला डालकर कर रहा है लाखों का गबन

वैसे तो प्रतिनिधि साहब को गाँव व शहर के सभी लोग पहले से जानते है व पहँचानते है कि बाबुलाल मालवीय किस तरह की विचारधारा व किस तरह के झुटेले व्यक्तिव के धनी है। जो ग्रामीनवासियो को योजनाओं के बारे में तो इस तरह से बताते है कि, जैसे योजना के नियम निर्देश सरकार ने नही बल्कि बाबुलाल ने ही निर्धारित कर रखे हो व सारा कार्य घर से ही चलता हो। योजना को बताते बताते साहब यह भी कहते है कि, सबका कार्य होगा शांति बनाए रखे घबराए नही में आगे जाकर फलाने-फलाने अधिकारी से बात करता हूँ। इन्ही किस्से कहानियो के बहकावे पिछले सात महीनों से जनता भी अब ऊब चुकी है जिसका आभास उनको भी अब होने लगा है।

कलेक्टर इन एक्शनः दो टूक में कहा, दो मिनिट में गुंडागर्दी निकाल दूंगा

खुद ने मौके पर पहुंचकर किया निराकरण

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के मिड टाउन प्रतापनगर क्षेत्र के रहवासी मंगलवार को कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के पास पहुंचे व शिकायत की कि, उन्हें अज्जू शेरानी परेशान करता है व जमीन पर खेती नहीं करने देता है। इसके बाद कलेक्टर मौके पर पहुंचे व संबंधित को कहा दो मिनट में गुंडागर्दी निकाल दूंगा। इसके बाद कलेक्टर ने भूमि पर कब्जा भी दिलवाया। इस दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। इस क्षेत्र में लंबे समय से भूमि पर खेती को लेकर विवाद चल रहा है। यहां पर भूमि पर खेती करने वालों ने कलेक्टर सूर्यवंशी को बताया कि अज्जू शेरानी खेती नहीं करने देता है। इसके अलावा कोई निर्माण करने जाता है तो उसको भी रोकने को कह देता है। जो बात नहीं माने, उसको धमकी देता है। इसके बाद कलेक्टर सूर्यवंशी मौके पर पहुंचे और उसे बुलवाया। मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान भूमि खसरा नं. 262/11, 262/11, 262/13, 262/12, 262/15, 262/16, 262/22, 262/23, 262/24, 262/25, 262/26, 262/27, 262/28, 262/29 के भूमि स्वामियों ने उपस्थित होकर शिकायत की कि स्थानीय व्यक्ति अज्जू शैरानी उन्हें डरा-धमकाकर, उनकी भूमि पर कब्जा नहीं होने दे रहा है। इसके अतिरिक्त मिड टाउन कालोनी की दीवारें, बाउण्ड्रीवाल तोडने की शिकायत मिलने पर निर्माण शुरू करवाया। कलेक्टर का एक्शन देख कर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है लगातार जन सुनवाई के माध्यम से निराकरण और संवेदनशील मामलों में कलेक्टर का रुख देख मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान खुद कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की तारीफ करने से खुद को नही रोक पाए और कलेक्टर के तारीफ के लिए ट्वीट भी किया।

प्रधानमंत्री आवास की राशि में गड़बड़ झाला...

माही की गूंज, शामगढ़।

नगर परिषद अध्यक्ष कविता नरेंद्र यादव के अध्यक्ष की कुर्सी संभालने के पश्चात नगर के प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों से संबंधित एक शिकायत आई थी। जिसमें 17 हितग्राहियों की आवास राशि उनके खाते में नहीं आई थी। इसके बाद नगर परिषद अध्यक्ष ने मामले की जांच कराई तो उसमें सामने आया की नप से जुड़े अधिकारियों की सांठगांठ से घोटाला हुआ है। राशि गलत खाते में डालकर राशि का आहरण कर लिया गया है। इसमें नप के कर्मचारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत भी नजर आई थी।

एसडीएम से कराई थी जांच

नप अध्यक्ष कविता नरेंद्र यादव ने अक्टूबर 2022 में प्रेस वार्ता के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास की राशि में घोटाले का खुलासा किया था। इसकी जांच कलेक्टर मंदसौर ने एसडीएम रविंद्र परमार गरोठ से करवाई। जिसकी जांच सोमवार को शामगढ़ पहुंची है।

नगर परिषद अध्यक्ष ने दी जानकारी

मंगलवार को सायं 5 बजे नप हाल में प्रेस वार्ता के दौरान नप अध्यक्ष कविता यादव पत्रकारों के बीच घोटाले की जांच में पाए गए दोषियों की जानकारी रखी। उन्होंने कहा कि, पूर्व के मुख्य नपा अधिकारी और कर्मचारी भी इस जांच में दोषी है। वहीं, एक तहसीलदार की भी राशि में गड़बड़ी में भूमिका नजर आ रही है। नप अध्यक्ष के पास 2017 से 2020 तक कोरोना काल व पिछली परिषद में नजर आए भ्रष्टाचार की जांच रिपोर्ट पहुंची है। अब नप अध्यक्ष ने कहा है कि राशि की गड़बड़ करने वालों से गबन राशि वापसी न करने की स्थिति में एफआईआर के लिए कदम उठाया जाएगा।

यदी संबंधित दोषी राशि जमा नही करवाते है तो 5 तात्कालीन नपा अधिकारी पर गाज भी गिर सकती है। 2017 से 2020 के बीच 23 हितग्राहियों को 14 लाख 90 हजार का अधिक भुगतान नप के तत्कालीन जिम्मेदार रहे अधिकारियों ने किया है। भ्रष्टाचार इस कदर रहा की एक हितग्राही को रुपए 4 लाख 40 हजार का भुगतान प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कर दिया गया।कलेक्टर मंदसौर ने मुख्य नपा अधिकारी शामगढ़ को आदेशित किया है कि सभी अधिक राशि पाए जाने वाले हितग्राहियों से एक माह में राशि वसूल की जाए। विचारणीय यह है कि जब प्रधानमंत्री आवास की राशि रुपए 2.5 लाख रुपए हैं, और हितग्राहियों के पास 2.5 लाख यानी ढ़ाई लाख रुपए से अधिक राशि आई तो उन्होंने नगर परिषद को अवगत क्यों नहीं करवाया। किसी खाते में 3 लाख से अधिक राशि भी डाल दी गई लेकिन कोई यह पूछने नहीं गया कि ढ़ाई लाख की बजाए तीन लाख रुपए क्यों डाले गए। जिन कर्मचारी और अधिकारियों उक्त घोटाला किया है उनका नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया।

शिवराज नकली किसान का बेटा- सज्जन सिंह वर्मा

माही की गूंज, मंदसौर।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा मंदसौर में लोकतंत्र सम्मान दिवस और नव नियुक्त जिलाध्यक्ष विपिन जैन के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मंच से ही उन्होंने सीएम शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा उन्होंने कहा- शिवराज नकली किसान के बेटे हैं। इनके पैर जहां-जहां पड़े, वहां-वहां किसान बर्बाद हुआ है। जब से मुख्यमंत्री ने सत्ता संभाली तब से ही किसानों पर विपदा आ रही है। कमलनाथ के मुख्यमंत्री रहते 2019 में जिले में बाढ़ आई थी, तब किसानों को तत्काल मुआवजा दिया गया था।

उन्होंने ने कहा कि, प्रदेश में ओलावृष्टि हुई है। ये भोपाल में सामने आएंगे और कहेंगे किसान भाइयों हमने किसानों के लिए खजाना खोल दिया है, लेकिन किसानों के हाथ कुछ नहीं आएगा।

श्री वर्मा ने सीएम के टाइगर अभी जिंदा है, वाले बयान पर भी तंज कसा। बोले- ईश्वर ने इंसान बनाया है और ये जानवर बनने पर तुले हुए हैं।

पूर्व जिलाध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल सहित अन्य नेताओं के बीच गुटबाजी नजर आई। मंच से नवकृष्ण पाटिल भी अपना पद जाने से खिन्न नजर आए। उन्होंने सज्जन सिंह वर्मा से कहा कि, चुनाव में मनसा का टिकट मंदसौर मत कर देना नहीं तो पिछली बार की तरह फिर हार जाएंगे। जिले की गरोठ विस से टिकट की दावेदारी कर रहे दुर्गेश पटेल ने शक्ति प्रदर्शन किया। पटेल सैकडो कार्यकर्ता के साथ शपथ ग्रहण समारोह मे शामिल हुए। वही सुवासरा से राकेश पाटीदार भी अपने कई कार्यकर्ता के साथ शामिल हुए।

मोबाइल से समग्र आईडी को आधार कार्ड से लिंक करने की प्रक्रिया बहुत आसान- कलेक्टर

माही की गूंज, मंदसौर। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की मार्गदर्शन में सुशासन भवन सभागृह में स्वास्थ्य विभाग तथा सहकारिता विभाग के कर्मचारियों को ईकेवाईसी करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को बताया गया कि मोबाइल से ही ई केवाईसी करना बहुत आसान है।

लाड़ली बहना योजना में केवाईसी करने के लिए सबसे पहले मोबाइल के क्रोम/ गूगल एप्लिकेशन में जाकर है एसएसएसएम आईडी लिखे और सर्च करें। उसके पश्चात समग्र पोर्टल पर क्लिक करें। समग्र पोर्टल करने के पश्चात ईकेवाईसी पर क्लिक करें। उस पर क्लिक करने के पश्चात आपको संबंधित की समग्र आईडी डालनी है। उसके पश्चात मोबाइल नंबर डालना है। मोबाइल नंबर डालने के बाद एक ओटीपी प्राप्त होगा। वह ओटीपी डालना पड़ेगा। इसके पश्चात संबंधित की जानकारी खुल जाएगी। उसके पश्चात आधार नंबर डालकर ओटीपी पर क्लिक करना होगा। आधार नंबर पर जो नंबर दिया गया होगा। उस नंबर पर ओटीपी आएगा। उस ओटीपी को डालना है। ओटीपी के डालने के पश्चात आपका फोटो दिखाई देगा। उसके पश्चात आप चेक बॉक्स में क्लिक करके, ओके बटन पर क्लिक कर सकते हैं। उसके बाद ईकेवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी।

बच्चों ने लिखे अपनी कापियों में अलग-अलग नोट्स

10 वी व 12 वी की कॉपीयों की जांच के दौरान सामने आया मामला

माही की गूंज, रतलाम।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड की कक्षा 10 वीं व 12 वीं की कॉपियों की जांच का कार्य मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुरू हुआ। पहले दिन कई तरह के रोचक नोट्स कॉपियों में बच्चों के हाथ लिखे हुए मिले। किसी ने लिखा सर, आपकी भी बेटी होगी, मैं भी बेटी जैसी हूं, प्लीज पास कर देना तो किसी ने भगवान की कसम देकर गुहार की है।

हाईस्कूल हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2023 के प्रथम समूह का मूल्यांकन कार्य शुरू हुआ। हाईस्कूल की 33 हजार 548 व हायरसेकेण्ड्री की 38 हजार 87 उत्तर पुस्तिकाएं जांच के लिए आई है। मूल्यांकन के पहले दिन हाईस्कूल के हिंदी एवं संस्कृत विषय तथा हायर सेकेण्ड्री के अंग्रेजी, भौतिक शास्त्र, जीवविज्ञान, राजनीति, अर्थशास्त्र एवं कृषि की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 62 शिक्षकों ने की। इससे पहले कॉपी जांच के नियम समझाए गए। कॉपियों की जांच के दौरान अलग-अलग नोट्स बच्चों की कॉपियों में लिखे मिले जिंसमे सर, परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है, प्लीज पास कर देना।

आपकी भी बेटी होगी, मैं बेटी जैसी ही हूं, पास कर देना।

सर घर में कमाने वालों में सिर्फ मां है। सभी को मुझसे उम्मीद है। जितना लिखा उसमें नंबर पूरे देना।

गुम हुई दो नाबालिग बालिकाओं को दो घंटे के भीतर किया दस्तयाब

माही की गूंज, मंदसौर। थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत कालाखेत निवासी 2 नाबालिग बालिकाओं के गुम होने की सूचना उनके परिजनों के द्वारा थाना कोतवाली पर दी गई थी। घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक मंदसौर अनुराग सुजानिया के संज्ञान में आते ही तत्काल अधिकारियों को निर्देशित करते त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित सोनी के द्वारा थाना कोतवाली के कर्मचारियों की अलग-अलग टीम गठित की गई। पतारसी प्रारंभ करते लगातार अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप 2 घंटे के भीतर ही करीब रात 8 बजे सम्राट मार्केट सब्जी मंडी से दस्तयाब करने में थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली।

दीक्षांत समारोह संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

भारती शिक्षा समिति शुजालपुर द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर मोरटा केवड़ी में कक्षा अष्टमी के भैया-बहनों का दीक्षांत समारोह किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर मोरटा केवड़ी के भैया-बहनों का दीक्षांत समारोह मोरटा केवड़ी के प्रांगण में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम अतिथि द्वारा मां सरस्वती भारत माता एवं प्रवणाक्षर ओम का पूजन कर एवं वंदना की गई। जिसमें मुख्यअतिथि के रूप में अरविंद सोनी पोलायकला, ग्राम भारती शिक्षा समिति शुजालपुर के उपाध्यक्ष अध्यक्ष रंग लाल सरपंच, विशेष अतिथि भेरूलाल दांगी को जनपद सदस्य मोहनलाल मोरिया जनपद प्रतिनिधि संयोजक बीरबल दांगी एवं संयोजक मंडल सदस्य विद्यालय के समस्त आचार्य वा दीदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि द्वारा भैया-बहनों को शुभाशीष दिया गया एवं आगे की पढ़ाई के लिए शुभकामनाएं एवं आने वाली परीक्षा के लिए भी शुभकामना और अग्रिम बधाई दी गई। अष्टमी के भैया बहनों को अतिथियों द्वारा विदाई दी। कार्यक्रम का आभार प्रधानाचार्य गोपीलाल ममोरिया द्वारा किया गया।

314 कन्याओं का सामुहिक विवाह संपन्न

माही की गूंज, शुजालपुर।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत शुजालपुर के कृषि उपज मण्डी प्रांगण में 314 कन्याओं का सामुहिक विवाह संपन्न हुआ। इनमें 17 कन्याओं का निकाह भी हुआ। वर-वधुओं को आशीर्वाद देने प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार सहित अन्य अतिथिगण भी उपस्थित थे।

वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए राज्यमंत्री परमार ने कहा कि, इनका दांपत्य जीवन सुखी एवं सफल रहे। मध्यप्रदेश सरकार ने बेटियों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं। प्रदेश की बेटियां अब माता-पिता के लिए बोझ नहीं है। सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना के कारण बेटियां अपनी शिक्षा निरंतर जारी रख सकती है, वही उसे एक मुश्त राशि भी दी जाती है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना भी शुरू की है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को एक हजार रूपये प्रतिमाह दिया जायेगा। उन्होंने कहा? कि प्रदेश में अत्याधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त सीएम राईज विद्यालयों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें गरीबों के बच्चें भी शिक्षा प्राप्त करेंगे। इस योजना का उद्देश्य गरीबों के बच्चों को उच्चस्तरीय गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना है। आगे से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कन्या को 55 हजार रूपये की राशि सीधी बैंक खाते में दी जायेगी, जिससे कन्या इस राशि का इस्तेमाल कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने अपने बजट 2023 में 12वीं पास करने वाली बालिकाओं के लिए फ्री स्कूटी देने का ऐलान किया है। इस योजना का लाभ राज्य के 5 हजार विद्यालयों की बालिकाओं को दिया जाएगा। इस योजना का लाभ उन्हीं बालिकाओं दिया जाएगा जो सर्वोच्च अंक से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका शुजालपुर अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, अशोक नायक, विजय सिंह बैस ने भी संबोधित करते हुए विवाह बंधन में बधें वर-वधुओं को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जनपद पंचायत शुजालपुर अध्यक्ष श्रीमती सीताबाई पाटोदिया, अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, एसडीओपी शुजालपुर डीआर माले, जनपद सीईओ श्रीमती रूषाली पोरस, जिला पंचायत सदस्य जगदीश फौजी, पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोरसिंह पाटीदार, देवेन्द्र तिवारी, डॉ. विजय खिंची, श्रीमती मंजू मण्डलोई, अभिषेक सक्सेना भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नरेन्द्र यादव ने किया।

सोशल मीडिया पर निगरानी रखने की समिति की भी है जिम्मेदारी

कलेक्टर-एसपी ने रामनवमी पर होने वाले आयोजनों के लिए ली बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा और एसपी धर्मवीर सिंह ने भीकनगांव एसडीएम कार्यालय में आगामी रामनवमी पर निकलने वाले श्रीराम जुलूस और गणगौर पर्व की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि, इस बार श्रीराम जुलूस आयोजन पर महांकाल और पुणे से वाद्य यंत्र लाएंगे। एसपी श्री सिंह ने कहा कि पूरा आयोजन शांति पूर्ण और सद्भावना पूर्वक हो इसके लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएगी। जुलूस मार्ग पर आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी कैमरे लगाएं जाएंगे। साथ ही आयोजन समिति अपनी तरफ से वॉलेंटियर नियुक्त करें जो एक निश्चित टीशर्ट बेच और कैप के साथ व्यवस्थाएं सम्भाले।

एसपी सिंह ने कहा कि, श्रीराम नवमी शुद्ध रूप से मनाई जाए इसके सभी पक्षधर है। किसी प्रकार की कोई आपत्तिजनक सूचना या जानकारी है तो वो पुलिस और प्रशासन के संज्ञान में लाएं। बैठक में

एसडीएम मिलिंद ढोके, एसडीओपी संजू चौहान, तहसीलदार निधि वर्मा, टीआई सौरभ बॉथम, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रवि पटेल, आयोजन समिति के सदस्य आशीष अग्रवाल, अमित जायसवाल और समिति के सदस्य व संचार प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीजे पर फूहड़ता प्रदर्शित करने वाले गानों पर रहेगा प्रतिबंध

बैठक के दौरान एसपी सिंह ने समिति के सदस्यों से कहा कि डीजे पर बजने वाले गानों पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। कोई भी अपने मोबाइल से गाने बजाने पर फोर्स नहीं करे। इसके लिए पृथक से बैठक टीआई द्वारा की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर आवश्यक रूप से समिति और व्यापारी संघ अपनी ओर से अपील करे किसी तरह की भी आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करें। अपने शहर की शांति और सद्भावना भी सुनिश्चित करना हर नागरिक और युवाओं की जिम्मेदारी है।

नशे पर करना होगा नियंत्रण

कलेक्टर वर्मा ने समिति के सदस्यों से कहा कि, रामनवमी भगवान राम के लिए आयोजित एक पर्व है। भगवान राम के संस्कारों को अमल में लाने के लिए आगे आये। कोई भी नशा करके जुलूस में शामिल न हो इसके प्रयास समिति भी करें। जुलूस में माता बहने भी आनंदित और उल्लास के साथ जुलूस में शामिल होती है। इस बात का भी ध्यान रखें। नगर के पार्षद अपने अपने वार्ड की जिम्मेदारियां ले। साथ ही अच्छे कार्य करने वाले वोलेंटियर और अन्य नागरिको को सम्मानित करने की परंपरा प्रारम्भ करें।

बैठक से पूर्व दोनों अधिकारियों ने नगर का भ्रमण कर जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। साथ कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही गणगौर पर्व पर होने वाले पूजन और भंडारे की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान दोनों ही अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासन के अमले के साथ पैदल भी भ्रमण कर व्यवस्थाएं देखी। नगर की तंग गलियों से होकर जुलूस मार्ग और प्रमुख स्थलों की व्यवस्थाएं देखी।

आगामी त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर और एसपी ने लिया शहर की व्यवस्थाओं का जायजा

माही की गूंज, बड़वानी।

आगामी समय में रमजान, चैत्र नवरात्रि त्यौहार के मद्देनजर कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने एसडीएम सेंधवा अभिषेक सराफ, टीआई सेंधवा शहर राजेश यादव, टीआई सेंधवा ग्रामीण अनोख सिंह एवं नगर पालिका सीएमओ कमलेश पाटीदार एवम स्टाफ के साथ मे गुड़ी पड़वा एवं रामनवमी पर निकलने वाले जुलूस के रूट का बारीकी से निरीक्षण किया।

इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने आयोजकों से चर्चा करते हुए बताया कि, कार्यक्रम में शामिल होने वाले डीजे की विधिवत अनुमति प्राप्त की जाए। कौन से गाने बजाए जाएंगे उसकी सूची पूर्व से ही पुलिस प्रशासन को दी जाए एवं कोई भी आपत्तिजनक गाना न बजाया जाए। जुलूस के रूट में पड़ने वाले सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने टीआई सेंधवा शहर एवं एसडीओपी सेंधवा कमल सिंह चैहान को निर्देशित किया कि, आगामी त्यौहार को देखते हुए दिन और रात की गश्त को अधिक प्रभावी बनाया जाए। महत्वपूर्ण धार्मिक जगह पर फिक्स पॉइंट लगाया जाए। सोशल मीडिया पर निगरानी करने के लिए जिला लेवल की एक टेक्निकल टीम बनाई गई है जो सोशल मीडिया, व्हाट्सएप इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेस बुक पर बारीकी से नजर रखेगी। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देशित किया कि अपराधी किस्म के लोगो के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर एसडीएम के समक्ष पेश कर उनको बाउंड ओवर करवाए। यातायात को सुगम बनाने के लिए प्रभावी व्यवस्था हो, शहर की शांति समिति की मीटिंग लेकर सभी समुदाय से चर्चा कर एक निश्चित रणनीति बनाए जाए। ग्राम रक्षा समिति के लोगों को भी ड्यूटी पर लगाया जाए। जुलूस निकलने के पूर्व ड्रोन कैमरे से पूरे रूट की सर्चिंग कराई जाए।

बुनकर ने हैंगिग वॉल का किया अनुपम सफल प्रयोग

माही की गूंज, खरगोन।

महेश्वर हैंडलूम इंडस्ट्रीज के लिए बरसों से और आज भी अपनी अहम पहचान रखता है। यहां की महेश्वरी साड़ियों की लोकप्रियता आज भी कई पर्यटकों को खींच लाती है। सोशल मीडिया के आने के बाद से अब सीधे विश्व के कई देशों में व्यापार अपनी दस्तक दे चुका है। यहाँ के बुनकर लगातार नए-नए नवाचार कर चौकाते भी रहते हैं। इन दिनों महेश्वर के संत कबीर राज्य पुरुस्कार से सम्मानित आरिफ़ खान ने हथकरघा से वाल हैंगिग बनाने का नवाचार किया है। जो माँ अहिल्याबाई के किले के झरोखे से हूबहू मेच करता है। जिसमें महेश्वर के किले का झरोखा हैण्डलुम पर बनाया गया है। इस वाल हैंगिग को बनाने में लगभग 06 माह का समय व अथक परिश्रम लगा है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सुरेंद्र जैन ने बताया कि इस नवाचार के लिए उन्हें आवश्यक आर्थिक सहयोग भी किया गया।

उत्पाद का परिचय एवं विवरण

महेश्वर की हाथकरघा इंडस्ट्री मे मुख्यतः महेश्वरी साड़ी, ड्रेस मटेरियल, दुपट्टा ही बनता आ रहा है। लेकिन वर्तमान मं ग्राहकों द्वारा विभिन्न नये-नये उत्पादों की मांग भी की जा रही है। जैसे शॉल, शर्टिंग फेब्रिक, रेडीमेड, हैण्डिक्राफ्ट आदि। इसी तरह की मांग को ध्यान मे रखते हुए प्रोजेक्ट एचएमआई टीम ने वाल हैंगिंग के नये उत्पाद को डिज़ाईन करने एवं बनवाने का दायित्व लिया। यह वाल हैंगिंग की प्रेरणा महेश्वर किले से ली गई है। इस वाल हैंगिंग में महेश्वर किले की पहचान नर्मदा नदी के तट की तरफ बना झरोखा है। जो कि हाथकरघा पर 06 महीने की मेहनत के बाद कपड़े पर उतर पाया है। इस वाल हैंगिंग को बनाने के लिए 2/120 मर्सराइज़्ड कॉटन का उपयोग किया गया है साथ ही ताने के लिए धागे को वेट डाई में कोका रंग में रंगा गया है।

बाने में बॉटल ग्रीन, मेहरुन एवं लाल रंग को वेट डाई रंग गया है। झरोखे की डिज़ाईन इमिटेशन जरी है। झरोखे की डिज़ाईन इमिटेशन जरी से एक्सट्रा वेफ्ट तकनीक से बनाई गई है। वाल हैंगिंग 1 मी. लंबाई एवं 44 इंच चौड़ाई मे बुना गया है। इसमे झरोखे कि डिज़ाईन की लंबाई-चोड़ाई 28 बाय 32 इंच है।

डिज़ाईन विवरण

वाल हैंगिंग के लिए किले के झरोखे की प्रेरणा इस बात से मिली कि, कहा जाता है कि देवी अहिल्या बाई इस झरोखे से पवित्र नर्मदा नदी के प्रतिदिन दर्शन करती थी। इस झरोखे को हैण्डलुम के माध्यम से कपड़े पर बुनाई द्वारा बनाई गई। डिज़ाईन के लिए श्री मोहम्मद आरिफ खान ने महेश्वरी साड़ी में प्रयुक्त होने वाली सभी मुख्य डिज़ाईनों का समावेश करके झरोखे की डिज़ाईन को बनाया है। ग्राफ एवं डिज़ाइन का कार्य मो. आरिफ खान ने 03 महीने की मेहनत के बाद पुरा किया। झरोखे की संपुर्ण डिज़ाईन में महेश्वरी हाथकरघा उद्योग में प्रयोग होने वाली 16 डिज़ाईनों का समावेश किया गया।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी होंगे अब कंप्यूटर में दक्ष

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग के निर्देशन में कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ समस्त चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को ई दक्ष केंद्र में बेसिक कंप्यूटर का प्रशिक्षण ई दक्ष केंद्र के प्रशिक्षक अक्षय सोनी द्वारा दिया जा रहा है। पहले जो कर्मचारी कंप्यूटर के बारे में कुछ नही जानते थे वे अब कंप्यूटर में माइक्रो सॉफ्ट वर्ड में कार्य करने लगे है और पत्र बनाने की बारीकियां भी सीख रहे है।

कर्मचारी प्रशिक्षण के दौरान सीखने के लिए उत्साहित है प्रशिक्षणार्थियों का कहना है कि, इसके पहले कभी कंप्यूटर पर कार्य नही किया था। एक तरह का डर बना रहता था किंतु प्रशिक्षण के दौरान हमने कई नई नई चीजें सीखी है। जिसमे हिंदी, इंग्लिश टाइपिंग, लैटर की सेटिंग, प्रिंट किस प्रकार निकाला जाता है और हेडर, फुटर क्या होता है चार्ट के माध्यम से कैसे प्रजेंटेशन दिया जाता है, टेबल कैसे बना कर एंट्री की जाती है इस बारे में बाते प्रशिक्षण के दौरान जानने को मिल रही है ।जो हमारे लिए बड़ी उपयोगी होगी। प्रशिक्षक ने बताया गया कि, 15 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, इंटरनेट, यूनिकोड आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

महिला सरपंच की कुर्सी पर सरपंच पति बैठकर कर रहे काम

पिपलोदा के ग्राम पंचायत बछोड़िया में भी सरपंच पति कर रहा काम

माही की गूंज, रतलाम।

राज्य सरकार महिला जनप्रतिनिधियों को ज्यादा मजबूत एवं प्रभावी बनाना चाहती है। पंचायतीराज विभाग इस दिशा में प्रभावी कदम उठाया है। पंचायतीराज चुनाव में शैक्षणिक योग्यता लागू होने से पहले तक ग्राम पंचायतों में महिला सरपंचों की जगह उनके पति ही सरपंचाई कर रहे है पहले बहाना था कि अनपढ़ होने के कारण वह कामकाज नहीं कर सकती। नए आदेश के तहत निकट संबंधी और रिश्तेदार पंचायतों की बैठकों में भाग ले रहे हों या उनके कार्यालय का कार्य संपादित कर रहे हों तो गलत है। शासन नियमानुसार तो सिर्फ पंचायत में जो सरपंच है। वही पंचायत में आकर अपना काम स्वयं करे ओर परिवार के कोई भी व्यक्ति पंचायत में प्रतिनिधि के तोर पर भी हस्तक्षेप नही कर सकते है।

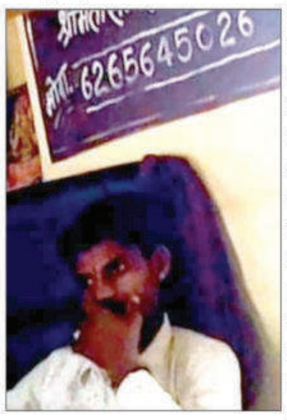

महिला सरपंच की कुर्सी पर बैठते है सरपंच प्रतिनिधि

बिना कोई चुनाव लड़े सरपंच महिला का पति अब सरपंच पति और महिला प्रधान के प्रधान पति कहलाने लगे है। उनके रिश्तेदार सरपंच प्रतिनिधि बन जाते है। यहां तक की पंचायतों में आने वाले अफसरों को भी वे अपना यहीं परिचय देते है। ग्राम पंचायतों में बैठकर महिला सरपंचों के स्थान पर पंचायत के कार्य संपादित करते है।

दोषी कर्मचारियों के खिलाफ करेंगे कार्रवाई

ग्राम पंचायतों की बैठक कार्यालय का कार्य संपादित करने में सरपंच पति या रिश्तेदारों को काम करने या बैठने से नहीं रोकने तथा उनका सहयोग करने वाले अधिकारियों- कर्मचारियों को भी चेतावनी दी गई है और शासन सचिव ने जिला कलेक्टरों, सीईओ विकास अधिकारियों से कहा कि ऐसा पाए जाने पर दोषी अधिकारी- कर्मचारियों के खिलाफ भी सीसीए नियमों के तहत कार्रवाई भी होगी।

पिपलोदा जनपत के ग्राम पंचायत बछोड़िया में सरपँच सम्पत बाई है और उनका पति दशरथ साँसरी सरपँच की कुर्सी पर बैठकर कार्य कर रहे है।

जिला कलेक्टर ने जावरा में दी थी चेतावनी

पिछले दिनों जावरा में जिला कलेक्टर ने सख्त चेतावनी भी दी थी, लेकिन अधिकांश जगह पालना नही हो रही है, पिपलोदा जनपद अंतर्गत गांवों में सरपंचाई महिला की बजाय उनके पति कर हैं।

वही मामले में दशरथ सिह सचिव ग्राम पंचायत बछोड़िया का कहना है कि, पंचायत में कई बार मेरे द्वारा सरपंच की कुर्सी पर बैठने के लिए सरपँच पति को मना किया गया पर बात मानने को तैयार नही है।

बालाराम पटेल (जनपत सदस्य प्रतिनिधि) ने बताया कि, मुख्यमंत्री ने शख्त निर्देशीत किया गया था कि, महिलाओं को अगर ग्राम सरपँच का अधिकार है। तो उनको आगे लाना सभी का कर्तव्य है, ओर महिला सरपंच की कुर्सी पर पति बैठकर काम कर रहे तो गलत है।

पूरे मामले में नन्दकुमार सूर्यवंशी कलेक्टर रतलाम का कहना है कि, सरपंच का जो पद होता है वह संवैधानिक पद होता है। उसकी कुर्सी पर दूसरे किसी व्यक्ति को बैठना ही नही चाहिए, ओर ये गम्भीर अमित्ता है। शिकायत मिलेगी तो जो सरपँच की कुर्सी पर बैठेंगे उन पर कार्यवाही भी करेंगे। अगर सरपँच के परिवार के लोग है तो उनके लिए उनका घर है उनकी जगह ग्राम पंचायत थोड़ी है। ओर अगर वीडियो या फोटो भी मिलेंगे तो कार्यवाही होगी।

कॉलेज चलो अभियानः मेजर, माइनर, इलेक्टिव और वोकेशनल विषय चुनते समय रखें ध्यान

माही की गूंज, बड़वानी।

हायर सेकेंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण करके जो विद्यार्थी कॉलेज में एडमिशन लेंगे, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की व्यवस्थाओं के अंतर्गत अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को इसके बारे में ठीक से समझ लेना चाहिए ताकि उन्हें अपने कॅरियर संबंधी लक्ष्य को प्राप्त करने में सुविधा हो। खासकर के विद्यार्थियों को मेजर, माइनर, इलेक्टिव और वोकेशनल विषय चुनते समय विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा सत्र 2022-23 के लिए चलाये जा रहे कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत कॅरियर काउंसलर और अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. मधुसूदन चौबे द्वारा विद्यार्थियों आदि को बताई जा रही हैं। यह अभियान प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।

सीनियर विद्यार्थी बन रहे हैं एम्बेसेडर कॅरियर सेल की कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल तत्वों को अधिक से अधिक प्रवेशार्थियों तक पहुंचाने के लिए कॅरियर सेल एक प्रयोग कर रहा है। इसके अंतर्गत कॉलेज के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी के साथ ही कॅरियर सेल के कार्यकर्तागण और सीनियर विद्यार्थी एम्बेसेडर के रूप में जूनियर विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारियां देने के लिए संकल्पित और कार्यरत हैं। इन बातों का रखें विशेष ध्यान डॉ. चौबे ने कहा कि ग्रेज्युएशन प्रथम वर्ष यानी कि बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., बी.एच.एससी., बी.बी.ए. आदि के फर्स्ट इयर में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। एडमिशन हेतु ऑनलाइन आवेदन करते समय उन्हें मेजर, माइनर, इलेक्टिव, वोकेशनल सब्सजेक्ट्स और फिल्ड स्टडी के चयन के लिए अनेक विकल्प प्राप्त होते हैं, विद्यार्थियों को इन विकल्पों में से अपने लिए उपयोगी विकल्प का चयन ध्यानपूर्वक करना चाहिए। मेजर विषय में दो प्रश्नपत्र होते हैं। उसी विषय को मेजर विषय के रूप में चुनना चाहिए, जिसमें आगे चलकर पीजी या स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करना है। इसी तरह 35 वोकेशनल कोर्सेस में से अपनी पसंद का वोकेशनल या व्यावसायिक कोर्स चुनना चाहिए, जिसके आधार पर स्वरोजगार प्रारंभ किया जा सके या फिर अच्छा कॅरियर बनाने में सहयोग प्राप्त हो सके। फिल्ड स्टडी में चार विकल्प हैं- फिल्ड प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और कम्यूनिटी इंगेजमेंट एंड सर्विसेस। इनमें से किसी एक का चयन अपने लक्ष्य और रुचि के अनुसार करना चाहिए। कॅरियर सेल में करें संपर्क कॉलेज में प्रवेश लेने जा रहे विद्यार्थी और उनके अभिभावक कॅरियर सेल में संपर्क करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित अपनी समस्त जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इस अभियान में प्रीति गुलवानिया, किरण वर्मा, अंकित काग, राहुल भंडोले, कोमल सोनगड़े, वर्षा मालवीया, जगमोहन गोले, राहुल सेन, नंदिता गोले, उमा फूलमाली, वर्षा मुजाल्दे, दिव्या पाटिल, प्रदीप ओहरिया, सुरेश कनेश, स्वाति यादव, सुभाष चौहान, पूनम कुशवाह, वर्षा शिंदे, दिलीप रावत, उमेश किराड़, उमेश राठौड़, शैली सोनी आदि कार्यकर्तागण सहभागिता निभा रहे हैं।

बकाया राशि जमा न करने पर 3 दुकानें सील और एक नल कनेक्शन किया विच्छेद

नपा ने 14 लाख संपत्तिकर और 2 लाख 96 हजार रूपए दुकान किराया वसूला

माही की गूंज, खरगोन।

वित्तिय वर्ष 2022-23 के लक्ष्यानुसार राजस्व वसूली कार्यवाही युद्ध स्तर पर जारी है। वसूली अभियान के तहत बुधवार को दुर संचार विभाग द्वारा बिल माग पत्र सूचना पत्र जारी करने पर भी बकाया 24 लाख 5 हजार रूपये होने से दूर संचार विभाग को प्रदाय 24 घंटे का नल कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया है। इसी क्रम में आनंद नगर में तीन दुकाने भी जिन पर 20 हजार रूपये से अधिक बकाया होने से सील की गई है। वसूली के दौरान लगभग 14 लाख की संपत्तिकर की तथा दुकान किराया की बकाया 2 लाख 96 हजार 216 रूपये की राशि वसूली की गई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमति प्रियंका पटेल ने बताया कि, बकाया वसूली अभियान के तहत बकायादारों के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करते हुवे जप्ती कुर्की की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। साथ ही बकायादारों से भी वसूलीकर्ता निरंतर वसूली के लिये प्रयासरत है बकाया जमा नहीं कराने पर दुकान किराया बकायाधारियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

प्र. राजस्व अधिकारी महेश वर्मा ने बताया कि, वसूली अभियान के तहत बुधवार 14 लाख रूपये की संपत्तिकर वसूली तथा 2 लाख 96 हजार 216 की दुकान किराया की नकद वसूली की गई है। आनंद नगर में दो एवं एक दुकान जवाहर नगर में बकाया के कारण कुल 3 दुकाने सील की जाने की कार्यवाही में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया गया। इनमें श्री शंकरलाल गंगाराम जोशी आनंद नगर खरगोन बकाया 20 हजार 946 रूपये, हेमलता शंकरलाल जोशी आनंद नगर खरगोन बकाया 20 हजार 946 रूपये, मिश्रीलाल अनारसिंह जवाहर नगर छत बकाया 47 हजार 47 रूपये का भुगतान बिल मांगपत्र, सूचना पत्र अंतिम सूचना जारी उपरांत भी नही किया जाने से अचल संपत्तियों सील की गई।वसूली टीम द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं किये जाने से डायवर्सन रोड पर स्थित बीएसएनएल कार्यालय पर लगे 24 घंटे के नल कनेक्शन पर बकाया 24 लाख 5 हजार रूपये होने से नल कनेक्शन विच्छेद किया गया है।

राजस्व अधिकारी महेश वर्मा ने बताया कि, निकाय द्वारा वसूली के लिये युद्ध स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। इसमें जप्ती, कुर्की, नल कनेक्शन विच्छेद करने तथा बकायादारों के नामों का सार्वजनिक प्रकाशन कराया जा रहा है। शासन लक्ष्यानुरूप वसूली करने के लिए निकाय द्वारा निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी व शत प्रतिशत वसूली की जाने के प्रयास किये जाते रहेगे। बकायादारों के विरुद्ध ठोस कदम उठाते हुए किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाने के लिये निकाय वसूली अमला दृढ संकल्पित है। अवकाश दिवसों में वसूली काउंटर खुले रखे गए है।

नपा अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती प्रियंका पटेल द्वारा समस्त बकायादारों से अपील की है कि वे अपने समस्त बकाया करों, शुल्को, दुकान किराया, लीज रेंट आदि का भूगतान 31 मार्च के पूर्व कर दे। नगर पालिका द्वारा की जाने वाली अशोभनीय एवं दण्डात्मक कार्यवाही से बचें तथा एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें।

ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं मिलने से एक व्यक्ति की मृत्यु

बोहरा समाज तथा मृतक परिजनों में रोष

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ 1

स्थानीय स्वास्थ केंद्र दिन-प्रतिदिन अव्यवस्थाओं का केंद्र बनता जा रहा है। अव्यवस्थाओं की फेहरिस्त भी लंबी होती जा रही है। शासन-प्रशासन जानबूझकर अनजान बना हुआ लगने लगा है। अव्यवस्थाओं के ताजा उदाहरण यह है कि, आम्बुआ दाऊदी बौहरा जमात के एक व्यक्ति की बीमारी के हालात में 19 मार्च को ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ी समाज तथा परिजन आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र गए, जहां सिलेंडर नहीं मिला। जिला चिकित्साधिकारी के कहने पर भी सिलेंडर नहीं दिया गया। कारण पता चला कि, जिस कक्ष में सिलेंडर रखा था उसकी चाबी नहीं मिल रही थी। उसी अफरा-तफरी में व्यक्ति ने दम तोड़ दिया।

गूंज संवाददाता को मिली जानकारी के मुताबिक बोहरा जमात के हकीमुद्दीन ताहेर भाई की हालत खराब थी। जिन्हें ऑक्सीजन की सख्त जरूरत थी। परिजन तथा समाज जन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आम्बुआ गए तथा वहां पर ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग की। मगर वहां कोई जवाबदार वरिष्ठ चिकित्सक ना होकर हमेशा की तरह एक नर्स के भरोसे अस्पताल चल रहा था। समाजजनों ने जिला चिकित्साधिकारी डॉ. प्रकाश ढोके को सूचना दी। उन्होंने तत्काल ऑक्सीजन सिलेंडर देने का कहा, मगर जिस कमरे में ऑक्सीजन सिलेंडर था उसके ताले की चाबी नहीं मिली तथा विलंब हो जाने के कारण 19 मार्च को ही हकीमुद्दीन ताहेर भाई बोहरा की मौत हो गई।

बोहरा समाज में आक्रोश

घटना से समस्त दाऊदी बोहरा समाज तथा मृतक के परिवार में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही आम्बुआ कस्बे में भी लोग आक्रोशित है। मरहूम हकीमुद्दीन को 20 मार्च को सुपुर्दे खाक करने से पूर्व समाज जन आम्बुआ अस्पताल में एकत्र हुए, जहां पर जिला चिकित्साधिकारी के समक्ष आक्रोश व्यक्त किया। जमात के साथ ही अन्य लोगों ने अस्पताल में रात्रिकालीन समय में चिकित्सक नहीं रहने का मुद्दा उठाया गया, तो उन्होंने पूर्व की तरह आश्वासन दिया कि रात्रि में चिकित्सक की व्यवस्था करा रहे हैं।

बीएमओ नहीं रहते मुख्यालय पर

आम्बुआ स्वास्थ केंद्र जिसे ब्लॉक मेडिकल अधिकारी का दर्जा प्राप्त है। इसके बावजूद बी.एम.ओ यहां नहीं रहते हैं। नवनिर्मित स्वास्थ भवन के लोकार्पण के समय प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुलोचना रावत, पूर्व विधायक तथा सांसद प्रतिनिधि माधौसिंह डावर एवं जिलाधीश के सामने उक्त मुद्दा उठाया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा बी.एम.ओ कार्यालय आम्बुआ में संचालित करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद जिलाधीश अलीराजपुर ने आदेश निकाला उसके बाद विधायक प्रतिनिधि विशाल रावत के सामने मुद्दा उठाएगा। मगर अपनी जिद पर अड़े बी.एम.ओ ने किसी के आदेश को नहीं माना और समाचार लिखे जाने तक कार्यालय जिला मुख्यालय पर ही संचालित किया जा रहा था तथा ग्रामीण स्टॉप, आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि परेशानी उठाने को मजबूर है। बी.एम.ओ शायद यह दर्शाने का प्रयास कर रहे हैं कि, उनके सामने किसी की नहीं चलेगी वह किसी का आदेश मानने नहीं आए हैं जो करेंगे अपनी मनमर्जी से करेंगे।

पेट्रोल पंप संचालक के साथ फोन पर हुई ऑनलाईन ठगी की वारदात

ठग ने पहले डाले 30 हजार रुपए, जो फोन-पे अकाउंट में तो दिखे, लेकिन नहीं पहुंचे खाते में

माही की गूंज, अमझेरा (धार)। विक्रमसिंह राठौर

ऑनलाईन ठगी के मामलो में लगातार लोगो को जागरूक करने के बावजुद घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही है और ''तु डाल-डाल तो मैं पात-पात'' की तर्ज पर ऑनलाईन ठगी करने वाले नई-नई तकनीकों के द्वारा लोगो के रूपये ठगने का काम कर रहे है।

ऐसे ही एक मामले में चरणसिंह तंवर निवासी बांदेड़ी जो मांगोद में पेट्रोल पंप संचालन व खेती का कार्य करते है। उनके साथ ठगी करने वाले व्यक्ति ने फोन-पे पर 6 हजार रुपए की ठगी कर दी। वहीं उनके साथ काम करने वाले अटल बिहारी लोधा निवासी मांगोद से भी फोन पे पर 10 हजार की ठगी कर दी।

इस संबंध में चरण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, सोमवार की रात में उनके पास ठग का फोन आया और उसने बोला कि, वह शर्मा ट्रांसपोर्ट कंपनी से बात कर रहा है। उसका ट्रक आपके पेट्रोल पंप पर आने वाला है। उसमें डीजल डाल देना और ठग ने उनके फोन पे पर 30 हजार रुपए डाल दिये। जो चरणसिंह के फोन-पे अकाउंट पर भी दिखाई दे रहे थे। फिर ठग ने थोड़ी देर बाद वापस फोन कर कहा कि, उनका ट्रक माछलिया घाट रास्ते में खराब हो गया है और ड्रायवर को छः हजार रुपए की जरूरत है तो तीस हजार रुपए में से 6 हजार रुपए ठग के बताये गये दुसरे फोन पे नंबर पर डालने को कहा गया। तो चरणसिंह ने 6 हजार फोन-पे कर दिये। लेकिन बाद में जब उन्होंने अकाउंट चैक किया तो उनके खाते में तीस हजार आये ही नहीं थे। इसी तरह इसके ठिक अगले दिन सोमवार को उनके ही साथी अटलबिहारी के साथ भी ठग ने ऐसी ही कहानी बताई और उनसे भी दस हजार रुपये फोन-पे करवा कर ठगी कर दी गई।

जानकारी लगने के बाद भी ठग के हौंसले इतने बुलंद थे कि, वह बार-बार दोनो को फोन कर रूपये डालने का दबाव बना रहा था तथा वह चरणसिंह और अटलबिहारी दोनो को नाम पते व उनके काम सहीत जानता था। शंका होने के कारण दोनो ही व्यक्ति बड़ी ठगी होने से बच गये। दोनो ही पिड़ीतों के द्वारा ऑनलाईन लुट की जानकारी अमझेरा थाना प्रभारी को आवेदन के माध्यम से देकर ठग के खिलाफ कानुनी कार्यवाही की मांग की गई है।

ये कौन बैठा एसडीएम की कुर्सी पर, तस्वीर वायरल होते ही मचा हड़कंप

उज्जैन। जिले की तहसील बडनगर में उस समय हड़कंप मच गया जब बडनगर एसडीएम की कुर्सी पर कोई शख्स आकर बैठ गया। इतना ही नहीं इस शख्स ने एसडीएम के कार्यालय में उनकी कुर्सी पर बैठ अपनी तस्वीर भी खींची और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। एसडीएम की कुर्सी पर बैठे किसी अन्य युवक की तस्वीर को सोशल मीडिया पर देखने के बाद हड़कंप मच गया। लोगों द्वारा एसडीएम आकाश सिंह को इसकी सूचना दी गई और सोशल मीडिया पर वायरल फोटो वीडियो भी भेजे गए।

सोशल मीडिया पर वायरल फोटो में एक युवक एसडीएम आकाश सिंह की कुर्सी पर बैठा दिखाई दे रहा है। मामला संज्ञान में आते ही एसडीएम ने बडनगर थाना प्रभारी मनीष सिंह को कार्यवाही के निर्देश दिए।

उज्जैन जिले की बडनगर विधानसभा में पदस्थ एसडीएम आकाश सिंह के कार्यालय के समीप नायब तहसीलदार के कार्यालय में निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि, निर्माण कार्य करवाने वाले ठेकेदार के एक कर्मचारी ने इस दौरान एसडीएम कार्यालय में जाकर उनकी सीट पर बैठकर फोटो खिंचवा ली। इसके बाद रविवार को युवक ने अपने फेसबुक पेज पर इस फोटो को शेयर कर दिया।

फेसबुक पर इस तस्वीर के आने के बाद कई लोगों ने एसडीएम की कुर्सी पर अन्य युवक को बैठे देखा। इसकी जानकारी मिलते ही एसडीएम कार्यालय के कर्मचारी भी हैरान रह गए। फोटो में पीछे अनुविभागीय दंडाधिकारी लिखी बड़ी और समीप में एसडीएम की छोटी नेम प्लेट स्पष्ट दिखाई दे रही है। इसके अलावा तिरंगा तथा अनेक कागजात टेबल पर रखे हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम सद्दाम पटेल निवासी गाराखेड़ी है। जब युवक से मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उसने कहा कि गलती हो गई है माफ कर दीजिए।

एसडीएम आकाश सिंह ने बताया कि, सोशल मीडिया और अन्य अधिकारियों के द्वारा संज्ञान में बताया गया है कि कोई युवक आपकी कुर्सी पर बैठ है और उसने फ़ोटो फेसबुक पर वायरल की है। संज्ञान में आते ही बडनगर थाना प्रभारी मनीष मिश्रा को युवक पर दंडात्मक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। हालांकि युवक माफी मांग रहा था।

दाऊदी बोहरा जमात के धर्मगुरु के दीदार हेतु समाज जन जाएंगे गलियाकोट

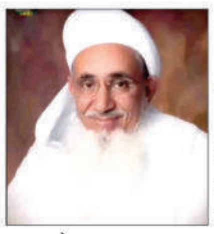

माही की गूंज, आम्बुआ।

22 मार्च से शुरू होने जा रहा रमज़ान का पवित्र माह बोहरा समाज के 53 वे धर्म गुरु सैय्यदना मुफ़्फ़दल सैफुद्दीन मौला के गलियाकोट आगमन पर आम्बुआ व सभी जगहा खुशी का माहौल है। राजस्थान में स्थित गलियाकोट (ताहेराबाद) जहां बोहरा समाज की दरगाह है। जिसको फखरूद्दीन सहीद की दरगाह कहा जाता है। जो कई सालों से मौजूद इस दरगाह में रोजाना हजारो समाजन अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते है। उन सभी का मानना है, जो सच्ची श्रद्धा आस्था से उसदर पे जाता है उन सभी के बिगडे काम बनते देखा है। आम्बुआ से 165 किलोमीटर दूर यह दरगाह जहां सैय्यदना साहब का तीसरा साल है। जो इस साल रमज़ान के पवित्र माह इबादत के लिए कहे जाने वाला यह महीना सैय्यदना साहेब के गलियाकोट में 1 महीने का रहने का प्रबंध किया गया है। गलियाकोट में ससैय्यदना साहेब इस बार एक माह रुकेंगे । जिसको लेकर अलीजपुर तथा झाबुआ जिले व राजस्थान के आस पास के इलाको से सभी समाजन रोजाना गलियाकोट पहुंचकर दीदार करेंगे तथा हजारो लोग होंगे शामिल होंगे जिसको लेकर समाजन में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है।

महिला हॉकी प्रतियोगिता हुई संपन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित महिला हॉकी प्रतियोगिता सुभाष भावसार उपाध्यक्ष नगरपालिका बड़वानी के मुख्य आतिथ्य में, विशेष अतिथि पार्षद गजेंद्र सोनाने एवं अविनाश कलोसिया के आतिथ्य मे कॉलेज हॉकी ग्राउंड बड़वानी में संपन्न हुआ।

हॉकी कोच मुकेश राठौड़ ने बताया कि, प्रतियोगिता में जिले की 6 महिला हॉकी टीम ने भाग लिया। फाइनल मैच हाकी फीडर सेंटर बड़वानी ने अंजड़ को तीन के मुकाबले एक गोल से हराकर विजेता ट्राफी पर कब्जा किया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भुनेश्वरी बर्थडे को दिया गया जिसने प्रतियोगिता में तीन गोल दागे। प्रतियोगिता का संचालन हॉकी फीडर सेंटर के कोच रामजय चैहान ने किया। निर्णायक की भूमिका भावेश मालवीय एवं शुभम दुबे ने निभाई टेबल रैफरी पिंकी दावदे मोनिका राठौड़ एवं सुमित सलूजा रहे आभार जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रूप सिंह कलेश ने माना। खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजेंद्र बघेल एवं शिव कुमार तोमर उपस्थित रहे।

15 वर्षिय युवक की हत्या के बाद विवाह में पड़ा खलल

माही की गूंज, अमझेरा (धार)।

समीपस्थ ग्राम पांचपिपल्या में 15 वर्षिय युवक की अज्ञात कारणों से हत्या हो गई। विशाल पिता रादू परमार उम्र 15 वर्ष की मंगलवार की रात्री में हत्या हो गई, जिसके शव को बुधवार की सुबह अमझेरा अस्पताल लाया गया जहॉं डॉ. तरूणा सिंघार के द्वारा पीएम किया गया। घटना की जानकारी लगने के बाद सरदारपुर एसडीओपी आरएस मेड़ा व अमझेरा थाना प्रभारी पांचपिपल्या घटना स्थल पहुंचे एवं पुरे मामले की जानकारी ली गई। पुलिस द्वारा घटना का मर्ग कायम कर मामले की पड़ताल की जा रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी सीबीसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, पांचपिपल्या में शादी का कार्यक्रम चल रहा था उसी दोरान घटना हुई है। मामले की जांच की जा रही है एवं शीघ्र ही आरोपीयों को गिरफ्तार कर पुरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

दिनेश बड़गोत्या बैरवा समाज के प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, बरझर।

नगर के मंडल संयोजक दिनेश बड़गोत्या को संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल मुराड़िया ने बैरवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया हैं। दिनेश बडगोत्या की बैरवा समाज के प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर बीआरसी राजेन्द्र बैरागी, भूपेन्द्र चौहान, एडव्होकेट फिरदौस खांन, पत्रकार आनंद शाह, अल्केश शाह, हेमेन्द्र गुप्ता, आसिफ शेख, गोपाल सोनी चंद्रशेखर आजाद नगर, मांगीलाल प्रजापत-बरझर, वेस्ता चौहान-आंबुआ, कुंवरसिंह चौहान-बोरझाड़ व विजय डुडवे कठ्ठीवाड़ा, मुकेश पानगोला ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

सर्पों के वन में हमें चंदन बने रहना है- तिवारी

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में कक्षा आठवीं के बच्चों का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, गुजरी (धार)।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय ग्राम गुजरी में कक्षा आठवीं के बच्चों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में सर्वप्रथम भैया-बहनों द्वारा सरस्वती पूजन किया। इसके उपरांत मां सरस्वती की आराधना की गई। तत्पश्चात छोटी कक्षा के बच्चों द्वारा कक्षा आठवीं के बच्चों को तिलक लगाकर पुष्प वर्षा के साथ कक्षा में लाया गया। विद्यालय के अन्य बच्चों द्वारा कक्षा आठवीं के बच्चों को तरह तरह के खेल एवं प्रतियोगिता करवाई गई। साथ ही उन्हें बच्चों द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए बच्चों ने अलग-अलग विचार प्रकट किए एवं नम आंखों से शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके पश्चात कक्षा आठवीं के बच्चों द्वारा विद्यालय को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में कक्षा आठवीं के बच्चों द्वारा उनके अनुभव कथन सुनाए गए साथ ही कुछ खट्टे मीठे पलों को याद किया गया। वहीं विद्यालय आचार्य परिवार द्वारा भी भैया-बहनों को अपने शब्दों में सीख दी गई एवं आगे के भविष्य के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश तिवारी ने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए बताया कि, हमारे मानव जीवन का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ देश सेवा समाज सेवा एवं परोपकार होना चाहिए। उन्होंने बताया कि, आप लोगों ने यहां से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की है। इस शिक्षा के साथ जो विद्यालय द्वारा आपको संस्कार दिए गए हैं। उन संस्कारों को जीवन पर्यंत याद रखना है एवं उनका अनुसरण करना है। हमें सर्पों के वन में चंदन का वृक्ष बने हुए रहना है अर्थात संगति चाहे जैसी भी मिले हमें हमारा अच्छा स्वभाव हमारे संस्कार कभी नहीं छोड़ना चाहिए। जीवन में हमेशा गुरुजन का एवं माता-पिता का सम्मान करना चाहिए। माता-पिता और गुरुजन कभी भी हमारा बुरा नहीं चाहेंगे। हमें हमेशा प्रगति के पथ पर ही प्रशस्त करने की कोशिश करते रहते हैं।

प्रधानाचार्य द्वारा इसे विदाई समारोह नहीं कहते हुए दीक्षांत समारोह क्यों कहा जाता है, इस पर भी प्रकाश डाला गया एवं जिस भी क्षेत्र में आप कार्य करें अध्ययन करें हमेशा विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहें हमारे जीवन को इस प्रकार बनाएं कि वह दूसरों के लिए मिसाल बन जाए अंत में प्रधानाचार्य द्वारा भैया बहनों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि, विद्यालय के द्वार हमेशा आप सभी के लिए खुले हैं आप अभी वर्तमान में विद्यालय के छात्र हैं जाने के बाद पूर्व छात्र के रूप में आप जीवन पर्यंत विद्यालय से जुड़े रहेंगे।

दीक्षांत समारोह में विद्यालय के सभी भैया-बहन, अभिभावक गण, आचार्य परिवार उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

सरकारी तंत्र लगा रहा पलीता, घटिया सामग्री ने निरस्त करवा दिए आयोजन

शादी निरस्त करना समस्या का समाधान...? या फिर खेल कुछ और ही...

सरकार को मारा गौतम ने तमाचा...!

माही की गूंज, झाबुआ।

यह चुनावी साल है, साल के अंत तक प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना है। यही कारण है कि प्रदेश में राजनीति पूरी तरह से गरमाई हुई है। लुभाने के लिए सरकार नित नए प्रलोभन जनता को दे रही है, तो वहीं विपक्ष भी कई नए -नए दावे और घोषणाएं कर रहा है।

प्रदेश सरकार अपनी कुर्सी और सत्ता बचाने की जद्दोजहद में योजनाओं की घोषणाएं कर ऐड़ी चोटी का जोर लगा रही है। लाडली बहना योजना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस योजना की घोषणा के बाद पूरा सरकारी तंत्र इसके लक्ष्य को पाने आपा-धापी में लग चुका है। इसी चुनावी साल में सरकार ने हाल ही में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाह आयोजनों की तिथियों की घोषणा कर दी थी। इस मामले में दाव ऐसा उलटा पड़ा कि इस योजना के विवाह आयोजनों को सरकार को खुद निरस्त करना पड़ा। इस आयोजन निरस्ती के बाद सरकार सीधे तौर पर विपक्ष के निशाने पर आ गई है। एक बार ओर विवाह आयोजनों के निरस्त होने से यह स्वतः ही प्रमाणित हो गया कि प्रदेश की भाजपा सरकार की रग-रग में भ्रष्टाचार भरा हुआ है। साथ ही प्रदेश सरकार का सरकारी तंत्र इतना निकम्मा हो चला है कि, शादी जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों को सरकार को निरस्त करना पड़ रहा है।

सनातन संस्कृति में लग्न की तारीख निकलने व पत्रिका छपने और बटने के बाद विवाह निरस्ती को अप शगुन माना जाता है, चाहे विवाह निरस्ती के कारण कुछ भी हो। वैसे तो देखने में यह आता है कि, विवाह के दौरान परिवार में गमी हो जाने के बावजूद भी कई बार विवाह आयोजनों को नहीं रोका जाता। पहले वैवाहिक कार्यक्रम को पूर्ण रूप से अंजाम दिया जाता है चाहे वह सूक्ष्म रूप से ही क्यो न हो, उसके बाद ही गमी के कार्यक्रम निपटाए जाते है। एक ऐसा ही अप शगुन इन दिनों मध्यप्रदेश सरकार कर बैठी है। प्रदेश भर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत तारीखें तय की गई। विवाह करने वाले जोड़ों के पंजीयन करवाए गए और आखरी वक्त पर सरकार ने रायता फैलाते हुए कई जगह के विवाह आयोजन को निरस्त करते हुए उनके घरों में अप शगुन फैला दिया। हालांकि सरकार अगर चाहती तो इस अप शगुन को रोका जा सकता था। कारण इतना बड़ा भी नहीं था कि विवाह आयोजनों को रोकना पड़े।

हालांकि भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने का दम भिडने़ वाली सरकार में यह आयोजन भ्रष्टाचार के चलते ही निरस्त किया गया है। जब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत होने वाले विवाह समारोह में दी जानी वाली सामग्री का आंकलन हुआ तो उससे भारी भ्रष्टाचार की बदबू आने लगी। इसी बदबू के कारण सरकार ने इस आयोजन को बीना सोचे समझे पूरी तरह से निरस्त कर दिया। ऐसा नहीं है कि आयोजन निरस्त करने के सिवा कोई विकल्प नही था। मगर सरकार उस विकल्प को अपनाना नहीं चाहती थी। या यह समझ लिजिए कि सरकार को अपने ही सरकारी तंत्र पर भरोसा नहीं था। तंत्र पर भरोसा हो भी क्यों...? क्योंकि सरकारी तंत्र अगर भरोसे मंद होता तो यह आयोजन निरस्त करने की नौबत ही नहीं आती।

अब भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने की बात करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री खुद इस बात को मान रहे है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में दी जाने वाली सामग्री को लेकर भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

धार जिले की मनावद विधानसभा में होने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह आयोजन में बाहरी फर्मों द्वारा इस तरह से घटिया सामग्री दी गई। जिस पर जनप्रतिनिधियों ने आपत्ती लेते हुए आयोजन को निरस्त करवाया।

यह सरकार की नाकामी ही मानी जाएगी कि उसे इस तरह के महत्वकांक्षी योजना के आयोजन को निरस्त करना पड़ा। अगर सरकार का अपने सरकारी तंत्र पर काबू होता तो शायद इस आयोजन को पूरे प्रदेश में निरस्त करने की आवश्यकता ही नही पड़ती। जिन जगहों पर इस तरह की अनियमित्ता और भ्रष्टाचार सामने आए है वहां के आयोजनों को निरस्त करने की बजाय कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए थी और आयोजन को कुछ ही दिनों बाद अगली तारीख तय कर अंजाम दिया जा सकता था। भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद सरकार अगर हरकत में आकर सरकारी तंत्र को हरकत में लाती तो तय तारीखों में भी आयोजन हो सकते थे। यह इतना भी मुश्किल नहीं था। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण प्रदेश के धार जिले में देखने को मिल गया। हालांकि इसे राजनीतिक प्रतिद्वंदिता का नाम दिया जा सकता है, मगर बावजूद इसके सरकार के लिए यह एक प्रमाण के साथ तमाचा भी है जो यह साबित करता है कि अगर पूर्ण अच्छा शक्ति हो तो कोई भी असंभव काम किया जा सकता है।

गौतम ने करवा दिया विवाह

धार जिले में पूर्व विधायक और जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह गौतम ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लाभार्थियों के सामूहिक विवाह समारोह की मेजबानी करने की घोषणा कर दी, क्योंकि सरकार ऐसा करने में विफल रही। यह बात सोमवार को कांग्रेस पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का सामूहिक विवाह समारोह पहले 24 फरवरी को निर्धारित था जिसे 19 मार्च को स्थगित कर दिया गया था। समारोह में 60 जोड़े परिणय सूत्र में बंधने वाले थे। लेकिन पंजीकृत हितग्राहियों के नाम की सूची योजना अधिकारियों द्वारा जारी नहीं की गई।

संबंधित अधिकारी भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। बालमुकुंद सिंह गौतम ने बताया कि घटिया सामग्री मिलने के कारण 19 मार्च को विवाह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। इससे सभी परिवार परेशान व चिंतित थे। उन्होंने जोड़े को बीच में छोडने़ को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी निशाना साधा। दूसरी ओर, जो लाभार्थी सभी पूर्व-अनुष्ठानों के साथ शादी करने के लिए तैयार थे, उन्हें शादी की तारीखों में तेजी से बदलाव से असुविधा हो रही थी। उनकी समस्या को देखते हुए बालमुकुंद सिंह गौतम व उनके परिवार ने 22 मार्च को बदनावर के खेड़ा स्थित पाटीदार समाज धर्मशाला में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। पंजीकृत लोगों की बारात बैजनाथ महादेव मंदिर से पाटीदार समाज धर्मशाला तक भी निकाली गई। जोड़ों को गौतम परिवार की ओर से घरेलू सामान भी दिया गया।

सोमवार को पूर्व विधायक और जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह गौतम ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लाभार्थियों के सामूहिक विवाह समारोह की मेजबानी करने की घोषणा की।

यह तमाचा ही तो है

जहा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में आयोजन निरस्ती के आयोजनों पर प्रदेश के धार जिले की बदनावर तहसील में हुए आयोजन ने सरकार व उसके तंत्र पर कड़ा तमाचा जड़ दिया है। हालांकि प्रदेश भर में यह एक मात्र ही ऐसी घटना है। मगर इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर पूरे प्रदेश में ऐसी स्थिति निर्मित हो जाती तो क्या होता...? शायद शिवराज सरकार की जमीन ही खिसक जाती। सरकारी आयोजन के निरस्त होने के चंद घंटों में गौतम ने वह सारी व्यवस्थाएं जुटाली जो इस विवाह समारोह को सफल बनाने में आवश्यक थी। हर काम अपने स्तर से और लोकल बाजार से ही अंजाम दिया गया और आयोजन सफतम रूप से संपन्न करवाया गया।

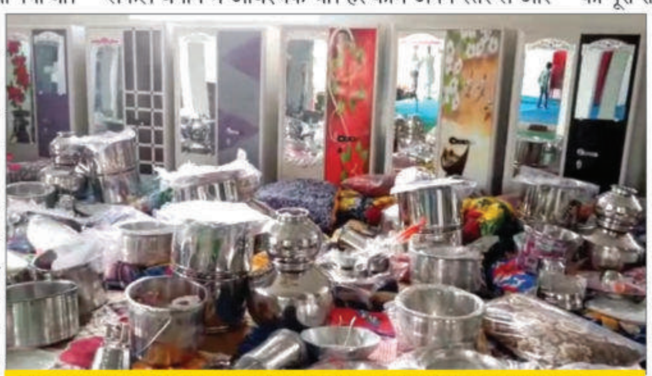

गौतम द्वारा किए गए आयोजन मे बदनावर तहसील की ग्राम पंचायत खेड़ा में वैवाहिक आयोजन में नव विवाहित जोड़ों को दी गई ग्रहस्थी की समस्त सामग्री।

यही काम सरकार व उसका सरकारी तंत्र भी कर सकता था। मगर भ्रष्ट तंत्र और इच्छाशक्ति की कमी ने सरकार को इस मुद्दे पर गढ़े में उतारने का काम किया है। हालांकि भ्रष्टाचार उजागर होने का यह कोई पहला मामला नही है। इससे पहले भी इसी तरह के सरकारी विवाह आयोजनों में भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठते रहे है। मगर कभी मामला इतना नहीं गर्माया कि सरकार को यह आयोजन निरस्त करने पड़े। इसका एक कारण यह भी है कि हमेशा चुनावी साल तो रहता नहीं है। अब जबकि यह चुनावी साल है तो मामला तो गर्माना ही था। जो काम बालमुकुंद गौतम ने किया है उसे शायद प्रदेश की शिवराज सरकार को करना चाहिए था। आयोजन निरस्त करने और फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने से क्या वाकई कुछ सुधार हो सकता है...? जबाब...बिल्कुल भी नहीं। अगर सरकार स्थानीय स्तर पर अपने तंत्र के जरिए काम करती तो शायद कामयाबी मिल सकती थी। बाहर की फर्मों से खरीदी करने की बजाय जनपद स्तर पर व्यापारियों से या जिला स्तर पर व्यापारियों से खरीदी की जाती तो शायद इस तरह के भ्रष्टाचार को रोका जा सकता था और आयोजन को सफल भी बनाया जा सकता था। मगर ऐसा हुआ नहीं।

लागा चुनरी में दाग...

लागा चुनरी में दाग छुपाऊं कैसे... की तर्ज पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुरहानपुर जिले के शाहपुर में पूर्व सांसद नंदकुमार चौहान की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कन्या को दी जाने वाली सामग्री के संबंध में कुछ शिकायत मिलने पर यह निर्णय लिया गया है कि अब कन्या को सामग्री के स्थान पर योजना की पूरी राशि 56 हजार रुपये का चेक दिया जाएगा। मतलब यह है कि मुख्यमंत्री को अपने ही तंत्र के खिलाफ अपनी ही योजनाओं की बली चढ़ाते हुए बदलाव करना पड़ रहा है।

मनावर और डही विधानसभा से उजागर हुआ मामला

मनावर विधानसभा में सामाजिक न्याय व निशक्तजन कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह निकाह योजना में देने वाली साम्रगी में हुए भारी भ्रष्टाचार को लेकर कार्यालय जनपद पंचायत उरमरबन की ओर से पत्र जारी कर होने वाले सामूहिक विवाह आयोजन को स्थगित किया गया। पत्र में लिखा है कि गत दिनों जनपद पंचायत मनावर व डही में मुख्यमंत्री कन्या विवाह की सामग्री की गुणवत्ता को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी। जिसके बाद कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

बाहर की इन फर्म को दिया सप्लाई का काम

मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाय योजना में दी जाने वाली उपहार सामग्री हेतु ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से चयनित फर्म को उपहार सामग्री हेतु ई-टेंडर प्रक्रिया कर जिला स्तर पर गठित समिति के माध्यम से फर्मों का चयन किया गया था, जिनकी ओर से बाजार से ज्यादा मूल्य पर घटिया साम्रगी पहुंचाई गई थी।

जिसमें कलर टीवी 32 इंच, दीवार घड़ी की सप्लाई विपुल कार्य 18 गणेश कॉलोनी, रामबाग इन्दौर और शादी के आभूषण व पैर वाली सिलाई मशीन फर्म आरएम सेल्स एण्ड सप्लायर्स गांधी चौक फोर्ट रोड शिवपुरी, फर्नीचर सामग्री व 51 बर्तन का सेट, जिसमें प्रेशर कुकर सहित वर-वधु के वस्त्र, क्रेग सामग्री बुडिया की सप्लाई अधिका सेल्स बाकानेर मनावर, रजाई, गद्दा, तकिया की सप्लाई अनुमालय इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सोल्युशन प्रा. लि. धनजी बाई का नोहरा, रतलाम के ओर से धार जिले में ठेका लिया गया था। जहां सभी जगह साम्रगी में धांधली हुई है। सरकार की ओर से कन्यादान योजना में 55 हजार की राशि स्वीकृत है, जिसमें 38 हजार की सामग्री देना है वर-वधु को और 11 हजार का चेक व 6 हजार खाना, टेंट अन्य खर्च किए जाना था।

जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने धार में पत्रकार वार्ता में जिले में मुख्यमंत्री कन्यादान में हुए सामग्री घोटाले को लेकर कहा कि, इनमें सिर्फ कार्रवाई नहीं होगी, गंभीर कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री से इस मामले में बात कर गंभीर कार्रवाई की जाएगी। धार जिलाध्यक्ष राजीव यादव से इस पूरे मामले की जानकारी ली। शर्मा ने कहा कि इस मामले में जिसने भी भ्रष्टाचार किया हो या लापरवाही की हो वो अधिकारी नहीं बचेगा। इस मामले में गंभीर कार्रवाई होगी।

ज्ञात है कि मनावर और डही में कन्यादान योजना के तहत खरीदी गई घटिया किस्म की सामग्री प्रदाय करने का मामला सामने आया था। मनावर में धार-महू भाजपा सांसद छतरसिंह दरबार, विधायक डॉ. हिरालाल अलावा ने यह मामला उठाकर सामग्री बांटने पर रोक लगवाई थी। जबकि डही में भी जांच के दौरान एसडीएम कुक्षी ने सामग्री की जांच में अनियमितता पाई थी। इसके बाद डही में ऐनवक्त पर सामूहिक कार्यक्रम को निरस्त कर दिया गया था। कार्यक्रम निरस्त होने के बाद कुक्षी विधायक ने भी यह मामला उठाया था और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे।

कुल मिलाकर मामले उजागर होने के बाद प्रदेश में कई जगह यह आयोजन निरस्त किए गए। इसका सीधा सा मतलब यह भी निकाला जा सकता है कि अगर यहां मामले उजागर नही होते तो पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के नाम पर बहुत बड़ा भ्रष्टाचार हो जाता। क्योंकि यह भी तय है कि जो हालात धार जिले में उजागर हुए वह पूरे प्रदेश में इसी स्थिति में होंगे। यह भी हो सकता है कि अपनी लंगौट खुलती देख सरकार ने सरकारी विवाह आयोजनों को निरस्त कर दिया हो।

राजनीतिक हलचल...

मालू की सक्रियता ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की चिंता, जयस की सूची में नाम होने की संभावना

माही की गूंज, पेटलावद।

2023 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दावेदारो की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही हैं। फिलहाल सभी मुख्य दावेदारों का फोकस पेटलावद विकास खण्ड की ओर है, जहा से अब तक कोई प्रत्याशी नही रहा है। इसी सूची में एक नाम तेज़ी से उभर कर आया है जिसने दोनों मुख्य दल कांग्रेस और भाजपा की धड़कने बड़ा रखी है। चुनाव परिणाम किसीके पक्ष में रहेगा, ये तो भविष्य के गर्त में है। लेकिन मालू डामर की उपस्थिति ने इस बार चुनाव को रोचक और त्रिकोणी कर दिया है। किसी भी दल से या निर्दलीय मैदान में मालू का उतरना लगभग तय माना जा रहा है।

मालू को मिली हरि झंडी आखिर किसकी...?

जिला पंचायत झाबुआ में किंग मेकर बनकर उभरे मालू डामर दोनों दलों के बड़े नेताओं के सतत् संपर्क में रहे और अपने समर्थन के साथ जिला पंचायत बिठाने की बात करते रहे थे। हुआ भी यही मालू डामर का झुकाव कांग्रेस के पाले में होते ही भाजपा का वर्षो से जिला पंचायत में बेठने का सपना टूट गया और कांग्रेस फिर से जिला पंचायत में काबिज हुई। मालू डामर खुद इस बॉडी में उपाध्यक्ष बने, उपाध्यक्ष बनने के बाद से ही पेटलावद की राजनीति में लगातार सक्रिय हैं और विधानसभा पेटलावद के लिए तैयारी में जुटे हुए है। जिस प्रकार से मालू अकमाल डामर तैयारियों में जुटे है ये तय है बड़े स्तर से उनको हरि झंडी मिली हुई है जिसके चलते लगातार सक्रिय हैं। अब ये हरि झंडी किसकी ओर कोनसे दल की है ये फिलहाल तय नही है।

कांग्रेस से टिकिट की मांग, भाजपा की खोज जितने वाले प्रत्याशी की

जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामर।

निर्दलीय जिला पंचायत का चुनाव जीतने के बाद वर्तमान में कांग्रेस के समर्थन से जिला पंचायत उपाध्यक्ष है और क्षेत्र में उनकी सक्रियता कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच ही है। जिस प्रकार से मालू डामर कांग्रेस के बड़े नेताओं के सम्पर्क में आये हैं उनकी तैयारी फिलहाल कांग्रेस से टिकिट की और हैं। बताया जा रहा है कि, जिला पंचायत में समर्थन की एवज में मालू की विधानसभा के टिकिट की मांग को कांग्रेस ने सिरे से नही नकारा था। जबकि भाजपा ने सीधे मालू की इस मांग पर विराम लगा दिया था। टिकिट को लेकर विधायक वालसिंग मैडा उनके सामने खड़े हैं और कांग्रेस आला कमान के लिए यही सबसे बड़ी चुनोती है। नई रणनीति के अनुसार भाजपा का फोकस विनिंग केंडिनेट की और हैं फिर भले टिकिट के लिये किसी भी विपक्षी या विरोधी को टिकिट के नाम पर भाजपा में शामिल क्यो न करना पड़े। जोबट विधानसभा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहां भाजपा में कई बड़े चेहरे होने के बाद भी कांग्रेस की सुलोचना रावत को भाजपा में शामिल कर टिकिट दिया गया और कांग्रेस को हराने में कामयाब रही। मालू डामर की बढ़ती लोकप्रियता ने भाजपा नेताओं के कान खड़े कर दिए हैं, कांग्रेस से अगर मालू टिकिट लाने में कामयाब नही होते हैं तो भाजपा उन पर दांव खेल सकती है या इसकी पूरी कोशिश में रहेगी कि, मालू किसी भी दल या निर्दलीय मैदान में रहे जिससे भाजपा को लाभ मिले।

अगर कदम खींचे तो रामा क्षेत्र तक सिमट जाएगा राजनीतिक केरियर

मालू डामर ने जिस तरह से तैयारी शुरू की है उनका चुनाव लड़ना तय है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी मैदान में उतरे थे, लेकिन अंतिम समय मे कांग्रेस के समर्थन में नाम वापस ले लिया था। इस बार चुनाव से मालू का पीछे हटना मतलब खुद के राजनीतिक जीवन को रामा क्षेत्र तक सीमित करना रहेगा, क्योंकि उन पर ये दाग लग जायेगा कि, वो मैदान में उतरने के बाद पीछे हट जाते हैं। जयस संगठन की सक्रियता के चलते मालू लगातार स्थानीय संगठन के पदाधिकारियों के सतत् संपर्क में बने हुए है और जयस की सूची में भी उनका नाम है। वर्तमान स्थितियों को देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि, वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामर विधानसभा 2023 के चुनाव में मैदान में उतरेंगे ये तय है।

चैत्र नवरात्र में जप, तप और आराधना का दौर जारी

माही की गूंज, खवासा।

हिंदुस्तान बहुआयामी देश है... उत्सव का देश... भावनाओं और संवेदनाओं का देश है... शक्ति और भक्ति का देश है.... यहां नववर्ष भी अलग-अलग समय मनाए जाते हैं और विक्रम संवत के नववर्ष का प्रारंभ चैत्र नवरात्र प्रारंभ होने पर मनाया जाता है। विक्रम सवंत 2080 का आगाज और हिंदू वर्ष के प्रारंभ के अवसर पर सोशल मीडिया में बधाई संदेशों का आदान प्रदान हुआ। वहीं इस अवसर पर सामाजिक संगठनों द्वारा सामूहिक मिलन समारोह और सह भोज का आयोजन रखा गया।

ग्राम के प्राचीनतम श्री राम मंदिर जहां नवनिर्माण का अंतिम चरण चल रहा है। पर नव दिवसीय शतचंडी देवी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ावदा निवासी यज्ञ आचार्य पंडित योगेंद्र पौराणिक व अन्य विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोचार के द्वारा आहुतियां विश्व कल्याण और लोक कल्याण के लिए दी जाएगी। इसके साथ ही रात्रि में आकर्षक गरबा आयोजन भी रखा गया है। जिसमें आर्केस्ट्रा पार्टी द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी और गरबा-रास के माध्यम से मां की आराधना की जाएगी। इसके लिए मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया है, इसके साथ स्थानीय शंकर मंदिर पर गायत्री परिवार द्वारा अखंड जाप का आयोजन किया जा रहा। वहीं क्षेत्र में अन्य गांवो में भी जप-तप और आराधना का दौर जारी है। हिंदू मान्यता के अनुसार इस नवरात्रि को बड़ी नवरात्रि माना जाता है और इस बड़ी नवरात्रि में किया गया जप-तप शुभ फलदाई माना जाता है।

फसलों का नुकसान देखने खेतों में पहुंची कलेक्टर

माही की गूंज, सारंगी।

विगत दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि से फसल में जो नुकसान हुआ उसका मौके पर जायजा लेने झाबुआ कलेक्टर क्षेत्र में दौरे पर निकली। इसी क्रम में सारंगी में ओलावृष्टि से हुए नुकसान का खेत पर पहुंचकर जायजा लिया। किसानों ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि, पिछले दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है, जिससे लागत भी कम बैठेगी और फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है। जिससे गेहूं के दाम में कमी आएगी और लागत निकालना भी मुश्किल है। कलेक्टर के इस दौरे से क्षेत्र के किसानों को उम्मीद है कि, शासन-प्रशासन किसानों की तकलीफ को समझेगा और उन्हें उचित मुआवजा और अन्य सहायता हेतु प्रयास करेगा। इस दौरे में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं एसडीएम पेटलावद अनिल राठौड़, तहसीलदार ,पटवारी आदि अधिकारी और किसान मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422